

# झारखण्ड विधान सभा

## तारांकित प्रश्नों की सूची

चतुर्थ झारखण्ड विधान-सभा

द्वितीय (विजय) सत्र

घर्गी-2

०५ अप्रैल १९३७ (श०)

को

२४ मार्च, २०१५ (इ०)

झारखण्ड विधान-सभा के आदेश-पत्र पर ओकिट रहेंगे :-

क्र० सं० विभागों को भेजी गई <sup>1</sup> साँ० सं०	राज्यों का नाम	संक्षिप्त विषय	संबोधित विधाया	विभागों को भेजी गई तिथि	
०१.	०२.	०३.	०४.	०५.	०६.

३०८० ६२५. जारा-१०५	श्री ताल मण्डी,	निर्भाऊ कार्य पूर्ण कराना।	माजब संसाधन दिवास	१६.०३.१५
३०४० ६२६. जारा-१०१	श्री चांदोल महातो,	स्टेंडिंग भा विभाग छला रंगारूरि रेस्टॉरंट उर्दु सुदा कार्य	छला रंगारूरि रेस्टॉरंट उर्दु सुदा कार्य	१५.०३.१५
३०९० ६२७. जारा-१०३	ज्ञा० हायारी अंचारी,	अचुक्क्या के आश्रम पर निरुद्धि।	माजब संसाधन दिवास	१६.०३.१५
३०५० ६२८. वि०प्र०-१३	श्री रविष्वद्या महातो,	पोलिटेक्निक कॉलेज रवेलना।	विकान एवं प्रौद्योगिकी	१५.०३.१५
३०६० ६२९. वि०प्र०-१०	श्री संयेन्द्रनाथ शियारी,	आई०टी०आई० शोलना।	रिहान एवं प्रौद्योगिकी	१३.०३.१०
३०८० ६३०. जारा-१०४	श्री राजविश्वोर महातो,	सरकारी डिपार्टमेंट शोलना।	माजब संसाधन दिवास	१६.०३.१५
३०६० ६३१. ३०-११	श्री अशोक कुमारे,	कार्यालय का स्थानान्तरण	उद्योग	१२.०३.१५
३०८० ६३२. जारा-७८	श्रीगती गंगोत्री कुजूर,	एवं-धर्माओं की उपरिक्षण।	माजब संसाधन दिवास	१२.०३.१५

४०४०००-

०।	०.२.	०.३.	०.४	०.५.	०.६.
३०६० ६३३. जास-७८	श्री चौरोहदर महतो,	प्रयोग का उद्योग	लकड़ा संरक्षण खेलकूद एवं शुद्धा व्यार्थ	१२.०३.१५	
३०६० ६३४. ३०- १४.	श्रीमती सीता लोरेल,	कुन्कर्णी का उद्योग	उद्योग	१७.०३.१५	
३०६० ६३५. जास-६६	श्री अशोक चुम्मार,	विजयी या वर्गेवक्षब लालव देवा।	संसाधन विकास	०९.०३.१५	
३०६० ६३६. जास-१०२	श्री कुशल लाईगी,	पाठ्य-पुस्तक उपचार्य जानकी चराजा।	जानकी संसाधन किंवदन्ति	१५.०३.१५	
३०६० ६३७. जास-८६	श्री जगरनाथ महर्षी,	उच्च विद्यालय में उत्तमित करना।	जानकी संसाधन विकास	१२.०३.१५	
३०६० ६३८. जास-५९	श्री रामलक्ष्माट जालन,	लालचुरी भाषा का विकास।	लकड़ा संरक्षण खेलकूद एवं शुद्धा व्यार्थ	०४.०३.१५	
३०६० ६३९. जास-१००	श्री दीपक बिलवा,	कुलपति पर कार्टवार्ड जानव उत्साधन विकास	जानव उत्साधन विकास	१५.०३.१५	
३०६० ६४०. य- ११	श्री साधुचरण महेश,	प्रदूषण को नियंत्रित करना।	दला एवं पर्याधरण	१३.०३.१५	
३०६० ६४१. जास-८९	श्री शिवशंकर उर्हौं,	ठनात्मकोराई की पर्याप्ति।	जानव उत्साधन विकास	१३.०३.१५	
३०६० ६४२. जास-५२	श्री अभिल चुम्मार,	आशासीय विभावाय की स्थापना।	जानव उत्साधन विकास	१३.०३.१५	
३०६० ६४३. आल ६०	श्री कुशलदास विवाहन नेहरा,	इन-शेक यी पर्याप्ति	जानव उत्साधन विकास	०९.०३.१५	
३०६० ६४४. कास-९७	श्री अरनप चटर्जी,	ठनात्मकोराई की पर्याप्ति।	जानव उत्साधन विकास	१३.०३.१५	
३०६० ६४५. विंग्र०-११	श्री जिल्लाच चुम्मार शाहवादी,	तलावीवी शिक्षण संशान खोलना	विज्ञान एवं प्रामोदिकी	१३.०३.१५	
३०६० ६४६. ३०- १२.	श्री जगरनाथ महतो,	उद्योग की स्थापना	उद्योग	१२.०३.१५	

०।	०.२.	०.३.	०.४	०.५.	०.६.
३५६० ६४७. जारा-१६	श्री राजकुमार यादव,	आजदेव देवे का विनाम	आवाय संभाषण विवरण	१३.०३.१५	
३५६० ६४८. वि०प्र०-१५	श्री कमल किशोर भगत,	इंजिनिअरिंग कॉलेज कोलकाता।	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी।	१६.०३.१५	
३५६० ६४९. वि०प्र०-१२	श्री याधाकृष्ण खिशोट,	शिक्षा का प्रबन्धालय	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी।	१६.०३.१५	
३५६० ६५०. वि०प्र०-१४	श्री रविश्वराम मठों,	व्यास्त्यातार्थी की लिखित।	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी।	१५.०३.१५	
३५६० ६५१. ४०-०६	श्री प्रदीप गावध,	पद्धतिकारी को पदग्रन्थालय कटना।	वन एवं पर्यावरण	०९.०३.१५	
३५६० ६५२. ३०-१२	श्री रामेश्वर मठों,	प्रवृत्ति पर सेक्ट एवं इन्डस्ट्री।	वन एवं पर्यावरण	१५.०३.१५	
३५६० ६५३. जारा-१५	श्री जागेन्द्र मठों.	कृष्णराम लोही आनादीय विद्यालय कोलकाता।	आवाय संभाषण विवरण	१३.०३.१५	
३५६० ६५४. ३०-१३	श्री विश्वी जायराम,	नये उच्चोग को अङ्गारा उच्चोग देचा।		१३.०३.१५	
३५६० ६५५. जारा-१०	श्री उदयेन्द्रनाथ तिथारी,	रटेंडरिंग का ठिकाण	कला शिक्षण औलगूत एवं झूला कार्य	१३.०३.१५	
६५६. घ-१४	डॉ रुफाल अंसारी,	दीर्घी यदाधिकारी के चिल्हन थार्ट्यार्ड	जल एवं पर्यावरण	१६.०३.१५	
३५६० ६५७. जास-१८	श्री अलोक कुमार यादव,	उच्च विद्यालय जै उल्लंघित करना।	जागरूक संसाधन विकास	१३.३.१५	
३५६० ६५८. जास-१३	श्री यादव,	दिल्ल पर्यो का को जाला।	आवाय संभाषण विकास	१३.०३.१५	
३५६० ६५९. जास-१४	श्री विर्जय कुल शोभाजदी,	अनुकूलन के आधार पर किस्युवित	ग्रामध संसाधन विकास	१३.०३.१५	
३५६० ६६०. घ-१३	श्री कर्मल यशोद भद्रात,	पर्यावरण अधिनियम का वर्ष २००६ को लागू हर्यावरण करना।		१५.०३.१५	

01	02.	03.	04	05.	06.
----	-----	-----	----	-----	-----

३५६७ गारा-१९ श्री वशर्य गांगाराई शिक्षियन की प्रतिशिद्धित मात्रा १५.०३.१५  
क्रमांक

रोनी,  
दिलांक, २४मार्च, २०१५

सुशील खुमार सिंह  
प्रभारी सचिव  
झारखण्ड विधान-सभा, रोनी।

ज्ञाप सं०- प्रश्न-०४/१५-...१५८३.....वि०स०, रोनी, दिलांक- २२/३/१५  
प्राप्ति:- झारखण्ड विधान-सभा के आवादीय सदस्यवर्ण/माठ सुन्दरबन्नी/ ज्ञाप गंत्रियन/  
ज्ञाप टांडलीय कार्य भारी/ ज्ञाप लेता अधिकारी, झारखण्ड विधान-सभा/ मुख्य सचिव लक्ष्मणलीय  
राज्यपाल के प्रधान राज्यिय/ लोकराज्यकृत के आपत सचिव एवं झारखण्ड सरकार के विभागों के  
सचिवों को सूचनार्थ प्रेषित।

(अनुमति दिलांक)

(रोनी खुमार)  
अवर सचिव  
झारखण्ड विधान-सभा, रोनी।

ज्ञाप सं०- प्रश्न-०४/१५-...१५८३.....वि०स०, रोनी, दिलांक- २२/३/१५  
प्राप्ति:- ज्ञाप अध्यक्ष महोदय के आपत सचिव, आपत सचिव, सचिवीय कार्यालय/ अपर  
राजिल (प्रश्न), अंतर्गत सचिव (प्रश्न) झारखण्ड विधान-सभा योग्यता/ ज्ञानलीय अध्यक्ष महोदय/  
प्रभारी उपरित महोदय के सूचनार्थ प्रेषित।

(अनुमति दिलांक)

अवर सचिव  
झारखण्ड विधान-सभा, रोनी।

विट्ठंजल

२१.०३.१५

(625)

झारखण्ड संस्कार  
मानव रांसाधन विकास विभाग

श्री ताला मराण्डी, स.यि.स. से प्राप्त तारांकित प्रश्न संख्या-मास-105

क्रमांक	प्रश्न	उत्तर
	क्या जंत्री, नानच संसाधन विकास विभाग, यह बनाने की कृपा करेंगे कि:-	डॉ जीरो याद्य, नानचीय जंत्री, नानच संसाधन विकास विभाग, झारखण्ड संस्कार
1.	क्या यह बात सही है कि बोड़ा जिला अन्तर्गत प्रखण्ड- बोआरीजोट लुख्यालय में कट्टुरखा विद्यालय भवन पिछले तीन वर्षों से निर्माणाधीन है;	आंशिक स्थीकारात्मक। विद्यालय भवन कार्य पूर्ण नहीं होने के कारण पठन-पाठब पर आंशिक असर पड़ रहा है। शाश्वात् का निर्माण कार्य पूर्ण है तथा सभी छात्राएँ सम्बाधार से सुरक्षित रह रही हैं।
2.	क्या यह बात सही है कि भवन बही बनने से पठन-पाठब के लाल-साथ चारों के खुफ्का पर असर पड़ रहा है;	आंशिक स्थीकारात्मक। विद्यालय भवन कार्य पूर्ण नहीं होने के कारण पठन-पाठब पर आंशिक असर पड़ रहा है। शाश्वात् का निर्माण कार्य पूर्ण है तथा सभी छात्राएँ सम्बाधार से सुरक्षित रह रही हैं।
3.	क्या यह बात सही है कि विभागीय पदाधिकारी एवं संवेदक के लापरवाह के कारण कट्टुरखा गांधी आवासीय विद्यालय बोआरीजोट का निर्माण कार्य 2015 तक पूर्ण नहीं होना चाहिए है;	आंशिक स्थीकारात्मक। स्थानीय लोगों द्वारा भूमि विवाद उत्पन्न करने एवं संघरेक द्वारा लापरवाही बरतने के कारण विद्यालय भवन निर्माण में विरोध हो आया है। विरोध होने के कारण संघरेक द्वारा प्रस्तुत शिप्र में से विधानसभार प्रवाली राशि की कटौती की जा रही है।
4.	यदि उपर्युक्त दोनों घण्डों का उत्तर स्थीकारात्मक है तो क्या 'अंकार विलंब' आंशिक स्थीकारात्मक है कि लिए दोषी पर कार्रवाई करने द्वारा कट्टुरखा गांधी आवासीय विद्यालय बोआरीजोट का निर्माण कार्य पूर्ण कराने का विचार उद्दृती है, तो कह तक कहीं तो क्यों?	आंशिक स्थीकारात्मक। विद्यालय भवन निर्माण कार्य प्रगति उट है, जिसे शीघ्र ही पूर्ण करने का निर्देश संघरेक को दिया गया है।

संस्कार के सौम्यता सचिव।

२८१

प्राक्तिक अधिकारी  
मानव संसाधन विभाग

०९१-३३४६५५५५ क्रम प्राक्तिक अधिकारी विभाग में

मानव संसाधन विभाग दिनांक 21/3/15  
आधार नं. 602 रोधी, दिनांक

प्रलिलिपि:- अबर सचिव, ज्ञारखण्ड सरकार के सचिव, रोधी को उनके आधार नं. 1297, दिनांक 16.03.2015 के प्रसंग में वांछित प्रतिनों के साथ सूचजार्थ एवं आवश्यक कार्टवाई हेतु प्रेषित।

21/3/15

मानव संसाधन विभाग आधार नं. 602	रोधी, दिनांक 21/3/15
प्रलिलिपि:- अबर सचिव, ज्ञारखण्ड सरकार के सचिव, रोधी को उनके आधार नं. 1297, दिनांक 16.03.2015 के प्रसंग में वांछित प्रतिनों के साथ सूचजार्थ एवं आवश्यक कार्टवाई हेतु प्रेषित।	
सरकार के संयुक्त सचिव।	
मानव संसाधन विभाग आधार नं. 602 रोधी, दिनांक 21/3/15	
मानव संसाधन विभाग आधार नं. 602 रोधी, दिनांक 21/3/15	

रोधी, दिनांक 21/3/15

626

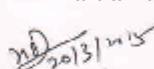
श्री नारेन्द्र गहते, योग संविठन सदस्य चलते अधिवेशन में दिनांक 24.03.2015 को  
पूछा जाने वाला तथाकित प्रश्न सं० सूत्र-101 का उत्तर:-

प्रश्नकर्ता	उत्तर दाता
श्री नारेन्द्र गहते, भानुचंद सदस्य विधान राज्य	श्री अमर बुजार बाजी माननीय मंत्री कला संस्कृति एवं लौकिक एवं युवा कार्य विभाग, झारखण्ड सर्वोच्ची
क्र०	प्रश्न
1	<p>क्या यह बात सही है कि मिरिटीड जिला के बगोदर प्रखण्ड अंतर्गत जीटी० रोड, और रिथल डिनोप चब्ब विहारी नैदान में एक सारिया प्रखण्ड के केंद्रवारी ग्राम में खेल प्रतिभज्ञों को विकसित करने हेतु स्टेंडिंगम ला निर्माण नहीं कराया गया है; आगमी दिसंबर वर्ष में इसे कायदित किया जाएगा।</p>
2	<p>यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर रवीकारात्मक है तो नया सरकार खण्ड (1) में वर्णित रद्दों नर रद्देदियम का निर्माण कराने का विचार रखती है, हैं, तो कदम तक नहीं हो करें ?</p>
	उत्तर
	<p>स्वीकृत नहीं है। भिरिटीड जिला के बगोदर प्रखण्ड के मौजा बाला में एल प्रखण्ड स्तरीय रद्देदियम नूर्व से शीर्षित है। सारिया प्रखण्ड के केंद्रवारी ग्राम में स्टेंडिंगम वीर र्धीकृति विभागीय मंत्री से प्राप्त है। आगमी दिसंबर वर्ष में इसे कायदित किया जाएगा।</p> <p>उपरोक्त (1) में उत्तर सम्भव है।</p>

**झारखण्ड सरकार**  
**कला संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग**

ज्ञापांक : 1/विः००-०- 15/2015/५-2100..... / रोकी, दिनांक 29/03/2015

प्रतिलिपि: अवर सचिव, झारखण्ड विधान सभा राजियालय, झारखण्ड, रोकी को उनके ज्ञाप सं० 1265 दिनांक 15.03.2015 के प्रसंग में 260 प्रतियों के साथ सूचनार्थ एवं आठशक्क कार्यालय प्रेषित

  
 सरकार के अपर सचिव  
 नल, राज्यालय, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग  
 झारखण्ड, रोकी।

(627)

५६६  
२१/०३/२०१५

डॉ बुराजन अम्भारी, नांस०स०वि०स० से ग्राम. तारोकिल प्रख. संख्या - नास-१०३  
कथा मानवीय मंत्री, मानव संसाधन विकास विभाग वह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

क्रमांक	प्रश्न	उत्तर
१	कथा यह बात सही है कि दर०० फट्टूद आलम, प्रधान मौलवी के पद पर मदरसा इस्लामियाँ, छरिहरपुर भारत गोनो जिला धनबाद में पठस्थापित हैं।	उत्तर स्वीकारात्मक है।
२	कथा यह बात सही है कि दर०० फट्टूद आलम, प्रधान मौलवी की मृत्यु २४.११.२००९ को हो गयी, जिसके पश्चात् उनके पुत्र मो० महमूद हसन द्वारा अबुकम्पा के आधार पर नियुक्त हुए दिनांक-०४.०८.२०११ को सचिव, अधिविद परिषद्, रांची को विधिवत् रूप से कागजात दिया गया है।	उत्तर आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है।
३	कथा यह बात सही है कि जिला शिक्षा पदाधिकारी, धनबाद एवं पत्तांक-४५२ दिनांक-०४.०३.१४ द्वारा पत्र लिखत होने के आवज्ञा मो०० महमूद हसन को मौलवी श्री हुसैन अहमद द्वारा अक्तक योगदान नहीं कराया गया है।	उत्तर आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है। जिला शिक्षा पदाधिकारी, धनबाद द्वारा बिदायतकूल कार्टवाई हेल्प बिदेश दिया गया है।
४	कथा यह बात सही है कि अबुकम्पा के आधार पर मो०० महमूद हसन की नियुक्ति नहीं होने से पूरे परिवार के समक्ष भूखों नरने की स्थिति उत्पन्न हो गई है।	उत्तर आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है।
५	यदि उपर्युक्त झण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो कथा सरकार मो०० महमूद हसन को अबुकम्पा के आधार पर नियुक्त करना चाहती है, हो, तो कब तक नहीं तो क्यों ?	प्रश्नाधीन मदरसा एवं गैर सरकारी प्रत्यायूक्त मदरसा हैं। अबुकम्पा की नियुक्ति का लाभ सान्त सरकारी सेवक के सेवाकोंत ऐसे मूल्यपरान्त उनके आश्रित को ही नियोगित प्रावश्यकों के तंहत दी जाती है। अतः प्रश्नाधीन गैर सरकारी मदरसा के कर्मी के मूल्यपरान्त उनके आश्रित को अबुकम्पा के आधार पर नियुक्त करने का कोई प्रावश्यक नहीं है।

सरकार के संकुक्त लिखित।

झारखण्ड-राज्यकार  
मानव संसाधन विकास विभाग

झारखण्ड-राज्यकार ५६६ / दिनांक ०४/०३/२०१५  
प्रतिलिपि:- अगर सचिव, झारखण्ड विधानसभा सचिवालय, रांची को अतिरिक्त प्रतियों के साथ सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्टवाई हेतु प्रेषित।

सरकार के संकुक्त सचिव।

628

चतुर्थ झारखण्ड विद्यान रामा का द्वितीय (बजट) राज में दिनांक 24.03.2016 को  
श्री रवीन्द्रनाथ महतो, स०विठ्ठल द्वारा पूछा जाने वाला ताराकित प्रश्न सं० -विठ्ठल-१३  
का उत्तर प्रतिवेदन

प्रश्न

1. यथा चहु बात सही है कि जमताड़ा जिला जनराम नाला ग्राम्यण्ड में कोई पौलेटेकनिक फॉलोज नहीं होने से छात्र-छात्राएं तकनीकी शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाए हैं।
2. उपरोक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या जयत प्रखण्ड में पौलेटेकनिक कॉलेज खोलने के दिचार स्वती ढै, हीं, तो क्या तक नहीं हो देये ?

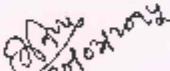
उत्तर

1. अस्वीकारात्मक।
2. जमताड़ा जिले के अंचल जमताड़ा नै नै-पश्चिमांशा, थाना नै०-३४, खाला स०-४०, दाग स०-५०१, रखला-७ पुराणे में राजकीय पौलेटेकनिक के निर्माण हेतु निवेदा का नकाशग कर दिया गया है।

झारखण्ड सरकार  
विज्ञान एवं प्रावैदिकी विभाग  
मैफत जाऊरा, झारखण्ड, राज्य

ज्ञापांक-२.विठ्ठल/विठ्ठल-२०/१५ -- ७०० / दृच्छा. दिनांक- २०/०३/१५

प्राप्तिवेदन — माननीय मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव/अवर सचिव, झारखण्ड विद्यान सभा सचिवलय लो उनके द्वारा प्राप्त १२७२ दिनांक १५.०३.२०१५ के आजोक में २०० ग्रामियों के साथ झारखण्ड, राँची को सूचनार्थी एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

  
(रवीन्द्र कुमार सिंह)  
सरकार के अटर सचिव

387  
21-03-15

(629)

श्री सत्येन्द्र नाथ तिवारी, मानवीय सदस्य विधान सभा द्वारा दिनांक-24.03.2015 को  
पूछ जाने वाला तारांकित प्रश्न संख्या - विभाग-10 का उत्तर सामग्री :-

कठ	प्रश्नकर्ता	उत्तरदाता
	श्री सत्येन्द्र नाथ तिवारी, मानवीय सदस्य, विधान सभा।	श्री राज पालिवार, नानवीय भंडी, श्रम, नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग, झारखण्ड सरकार
1.	क्या बड़े बात सही है कि गढ़वा एक विधानसभा क्षेत्र के प्रशासन नियंत्रण, चिनीया, लग्ना, मेशल और पिछड़े पर्यावरण में आईटीआई वा कोई भी दिवालय नहीं होने से बहों के उचित मेधावी आज की परिस्थि कुटुंब हो सकते हैं ;	उत्तर आंहिक रूप से स्थीरताप्राप्त है।
2.	दृष्टि निर्पात्र संघ के उल्लंघन स्थिरात्मक है, तो क्या सरकार नियंत्रित पर्यावरण के गोपनीय वर्चों के भवित्व के मद्देन्जन वडों आईटीआई गोलबंद का विनाश रक्षती है, तो तो क्षयतक, नहीं तो क्यों ?	गढ़वा जिला के रंगा विधानसभा क्षेत्र में चिरंगिया ग्राम्य इलाम में "उत्तराध प्रशासन(LWC) जिलों में युवाओं के लिए पौशल विकास योजना" के अन्तर्गत एक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का भवन निर्माण का कोई प्रस्ताव रितारामी नहीं है। गढ़वा जिला के रंगा विधानसभा क्षेत्र के रमांदा, डण्डा, मेराल प्रशासनी में वानु दिल्ली वर्ष-2014-15 एवं आगामी विलीर वर्ष-2015-16 में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के शावन निर्माण का कोई प्रस्ताव रितारामी नहीं है।

12/03/15  
सरकार के उप सचिव,  
श्रम, नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग,  
झारखण्ड, शौपी।

झारखण्ड सरकार

श्रम, नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग।

ज्ञापांक :- 5/प्रश्नो- (विभाग)-27/2015- 387 दृष्टि, दिनांक :- 21-03-15..

प्रतीक्षित : उपर दर्शित, झारखण्ड विधान सभा को उपर्युक्त ज्ञाप संख्या-1193 प्रियंका-13.03.2015 के प्रदेश में 200 एक्यालिं फ्रिंटी के द्वारा नूजनार्ड एवं सावधान ८.०५.०८ देखिए।

12/03/15  
सरकार के उप सचिव,  
श्रम, नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग,  
झारखण्ड, रौची।

631

श्री राजकिशोर महाते, सठविंसठ द्वारा दिनांक-24.03.2015 को पूछा जाने  
वाला तायांकित प्रश्न संख्या-मास-104

क्रम	प्रश्न	उत्तर सामग्री
1.	लेंगा एवं चारा सही है कि धन्दाक पिला के दुण्डी प्रश्नण्ड गें एक भी सरकारी डिप्टी कॉलेज नहीं हैं?	उत्तर स्वीकारात्मक है।
2.	व्या यह बात लही है कि दुण्डी से गोविन्दपुर डिप्टी कॉलेज 35 किलोमीटर एवं गिरिहीड़ डिप्टी कॉलेज 30 किलोमीटर एवं राजगंडा डिप्टी कॉलेज 40 किलोमीटर की दूरी पर हैं?	उत्तर स्वीकारात्मक है।
3.	व्या यह बात लही है कि दुण्डी विधान सभा के दुण्डी प्रश्नण्ड में आदिवासियों की अधिक जनसंख्या है और नहाँ सबसे ज्यादा गरीबी रहने के कारण इतनी दूरी जाकर डिप्टी की शिक्षा हासिल करना असंभव है?	उत्तर स्वीकारात्मक है।
4.	यदि उपरोक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो व्या सरकार दुण्डी में एक सरकारी डिप्टी कॉलेज खोलने का विचार रखती है, तो तो कब तक, नहीं तो क्यों?	प्रश्नबद्ध जिलान्तर्गत 07 अंगीकृत महाविद्यालय एवं 10 सम्बद्धता प्राप्त महाविद्यालय में डिप्टी रतर की पढ़ाई की चावस्था है। प्रत्येक जिला में महाविद्यालय की शुरिया उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जा रही है। जिलों में महाविद्यालय की शुरिया उपलब्ध कराने के पश्चात् अनुनानित एवं प्रभावित रतर पट राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान ऐ तहत महाविद्यालय उपलब्ध कराने हेतु गम्भीर नियम लिया जा सकेगा।

झारखण्ड सरकार  
मानव संसाधन विभाग।

दिनांक 5/वि-2-38/2015 5/वि-2 तारीख दिनांक 21/03/15

प्रतिलिपि-अवर सचिव, झारखण्ड विधान सभा लचिताम्ब, रौची को उनके  
द्वारा दिनांक-1298 दिनांक-16.03.2015 के प्रश्नग में दायित्व प्रतिद्यों के साथ सूचनार्थ एवं  
आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

संशुद्धि संस्कृत  
मानव संसाधन विभाग विभाग,  
झारखण्ड, रौची।

(63)

श्री अशोक कुमार, मानवीय सदस्य विधान सभा द्वारा दिनांक-24.03.2015 को पूछा  
जानेवाला ताराकित प्रश्न संख्या-उ०-११ की उत्तर सामग्री।

क्र०	प्रश्न	उत्तर सामग्री
1	2	9
1	क्या यह बात सही है कि स्मैल इण्डस्ट्रीज का मुख्य कार्यालय बोकारो में है ?	अस्ट्रीकाशाल्मक है।
2	क्या यह बात सही है कि संधाल परगना के संधाल परगना के संधाल परगना औद्योगिक क्षेत्र जरूरत मंदों के कार्य हेतु बोकारो आना पड़ता है, जिससे कार्यों के निष्पादन में बेवजह विलम्ब हो जाती है ?	विकास प्राधिकर (SPIADA) द्वारा कार्यरत है, जिसका मुख्यालय देवघर में है उपर्युक्त देवघर SPIADA के प्रबांध निदेशक हैं।
3	यदि उपर्युक्त स्थानों के उत्तर स्वीकाशाल्मक हैं तो क्या राजकार लोकहित में उपरोक्त कार्यालयों को उप राजधानी द्वारा में उत्तरांतरण करने का विचार रखती है, हो गे कब तक नहीं तो क्यों नहीं ?	संधाले परगना औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकर का क्षेत्र देवघर, दुगका, जामताड़ा एवं साहेबगंज औद्योगिक क्षेत्र है तथा इसका मुख्यालय देवघर है। यह कार्यरत वर्ष, 2006 (14.07.2006) से कार्यरत है।

झारखण्ड सरकार  
उद्योग विभाग

प्राप्तांक ५४ / रोकी, दिनांक २२.०३.२०१५ /

प्रतिलिपि :— अबर सचिव, झारखण्ड विधानसभा सचिवालय का उनके ज्ञात संख्या-1140 निम्न दिनांक-१२.०३.२०१५ के आलोक में २०० (₹ २००) अतिरिक्त प्रतियों के साथ सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

21/3/15  
सरकार के उप सचिव  
Y.

632

श्रीगंगती गंगोत्री कुण्डर, सर्वियोजन द्वारा दिनांक-24.03.2015 को पूछ जाने  
वाला तार्थिक्त प्रश्न संख्या-मासि-78

क्र०	प्रश्न	उत्तर सामग्री
1.	मत्ता यह बात रही है कि संत जीवियट कॉलेज, रौची में छात्र-छात्राओं के लिए कक्षाओं में 75 फिल्ड उत्तरिति आवधार्य है ?	उत्तर स्वीकारात्मक है।
2.	यद्या यह बात रही है कक्षाओं में उत्तरिति के अधिकृद विभेद के लिए से छात्र-छात्राओं तो उत्तरिति काट दी जाती है ?	सब जीवियट कॉलेज, रौची विश्वविद्यालय से सम्बद्धता प्राप्त अल्पसंखक स्थायतशासी लड़ाविद्यालय है। प्रश्न में उत्तर बष्ट विनुआई पर जाँच कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु कूलसंचिव, रौची विश्वविद्यालय को बिदेशित किया जाता है।
3.	यद्या यह बात रही है कि बात-बात में छात्र-छात्राओं की उत्तरिति के शब्द अर्डेंस काटे की धमकी तेकर भवादोहल किया जाता है, जिसके कारण हमेशा भय का जाताहरण जल रहता है ?	
4.	यद्या यह बात रही है कि उत्तर कॉलेज की विभिन्न कक्षाओं में एक दिव अनुपस्थित होने जाने छात्र-छात्राओं को एक के बजाय दो दिव अनुपस्थित कर दिया जाता है ?	
5.	यदि उपरोक्त कक्षाओं के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो वह सरकार इस दिशा में कार्रवाई करने का विचार रखती है, हाँ तो कर तक, नहीं तो क्यों ?	

झारखण्ड सरकार  
मानव संसाधन विभाग।

झापांक 5/वि2-32/2015..... ६३३....., संघी दिनांक- २१/०३/१५  
प्रतिलिपि-अधर संविव, झारखण्ड विधान सभा सचिवालय, रौची को उजके  
झापांक-1138 दिनांक-12.03.2015 के प्रसंग में वांछित प्रतिवार्यों के साथ कूचवार्य एवं  
आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

संचयका विभाग,  
मानव संसाधन विभाग रिडारा,  
झारखण्ड, रौची।

(633)

श्री योगेश्वर महाते मा० सर्विंस० द्वास थलते अधिवेशन में दिनांक 24.03.2015 को  
पूछा जाने याला पारांकित प्रस्तुति सं० मात्र-इका उत्तरः—

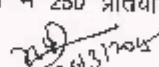
प्रश्नकर्ता	उत्तरदाता
श्री योगेश्वर महाते, भागीरथी सदरय विधान सभा	श्री अगर कुमार बाजरी साननीय मन्त्री छला संसद्गति खलबूद् एवं युवा कार्य विभाग, झारखण्ड राँची।

क्र०	प्रश्न	उत्तर
1	<p>क्या यह बात सही है कि बोकारो जिला के घास, प्रखण्ड परिसर में खोरड़ा कला-संस्कृति एवं अनुसंधान भवन बनकर तैयार है, जिसका नाम बदलकर चास प्रखण्ड कार्यालय द्वारा दुरुपयोग किया जा रहा है;</p>	<p>स्पीकराइलफ है। भवन बनकर तैयार है। उपाध्यक्ष, बोकारो के प्रतिवेदन के अनुसार उक्त भवन का उपयोग मात्र सरकारी कार्य के लिए कमी-कमी की जाती है।</p>
2	<p>क्या यह बात सही है कि खोरड़ा भाषा साहिल एवं कला रास्कृति से धृतिवित अनुसंधान एवं यिकास की गतिविधियों के संचालन के लिए तत्संबंधित प्रतिष्ठित व्यक्तियों को शामिल कर संचालन समिति का गठन कर हजार भवन का संचालन करना था;</p>	<p>संचालन समिति का गठन कर इसे क्रियान्वयन किया जायेगा।</p>
3	<p>यदि उपरोक्त खण्डों का उत्तर स्पीकराइलफ है तो क्या सरकार संचालन समिति का गठन कर शीष्ट गतिविधियों के संचालन के लिए उक्त भवन का उपयोग करने का विधार रखती है, हों तो क्या तक गही तो क्यों ?</p>	<p>उपरोक्त उत्तर 2 में सन्दर्भित है।</p>

झास्खण्ड सरकार  
कला संस्कृति खेळबूद् एवं युवा कार्य विभाग

ज्ञापांक : 1 / विंस०-८-१६/२०१५/ क २१०/..... / राँची, दिनांक २५/०३/२०१५

प्रतिलिपि: अगर सचिव, झारखण्ड विधान सभा राज्यालय, झारखण्ड, राँची को उनके ज्ञाप सं० 1189 दिनांक 13.०३.२०१५ के प्रसंग में 250 त्रितीयों के साथ सूचनार्थी एवं आवश्यक कार्यार्थी प्रेषित।

  
 सरकार के अकर सचिव  
 झारखण्ड राज्यालय कुप मीटिंग  
 द्वारा राखी रखकर ला रखा गया है।

634

श्रीमती सीता सोरेन, रा० वि० स० द्वारा दिनांक-24.03.2015 को पृष्ठा जानेवाला तारांकित प्रश्न सच्या-उ०-14 की कंडिकावार उत्तर सभ्यी।

क्र०	प्रश्न	उत्तर सामग्री
	1 2	3
1	क्या यह बात सही है कि झारखण्ड राज्य में बुनकरों के फुल संख्या कितनी है और कितनी हैण्डलूम इकाईयां कार्यरत हैं, तथा किन-किन जिलों में ये अधिक हैं;	झारखण्ड में बुनकरों की कुल संख्या लगभग 50–60 हजार है, हॉलकि वास्तविक आँकड़ा उपलब्ध नहीं है। साज्य में कुल 355 हैण्डलूम इकाईयों कार्यरत हैं, तथा इनकी संख्या गोड़ा, साहेबगंज, देवघर, दुमका, रौची, हजारीबाग, रामगढ़, लातेहार, पलामू, प० सिंहमूर जिलों में अधिक हैं।
2	क्या 40 बात सही है कि झारखण्ड राज्य बनने के ताद से अब तक राज्य में बुनकरों के उत्थान के लिए कौन-कौन सी योजनाएं चलाई गई हैं, और इन पर पिछानी राशि खर्च की गई है और इससे कितने बुनकर लोभान्वित हुए हैं। वर्तनान में बुनकरों के विकास हेतु कौन योजनाएं चल रही हैं;	झारखण्ड राज्य के गढ़न के बाद से अबतक राज्य में बुनकरों के उत्थान हेतु हथकरघा विकास की योजना, दीनदायाल हथकरघा ग्रोल्लाइन योजना, प्राथमिक बुनकर सृष्टियोग समितियों के सुदृष्टीकरण की योजना, समंकित हथकरघा विकास की धृत्यन्, रिवाइल, रिफॉर्म एवं रीस्ट्रक्चररिंग पैकेज योजना, स्पार्श्य बीमा योजना, राष्ट्रीय हथकरघा विकास जी योजना कार्यान्वित की गई जिस द्वारा सरकार द्वारा फुल 94.31 करोड़ रुपये व्यय किये गये जिससे लगभग 47,000 बुनकरों को लागावित किया था है। वर्तनान में बुनकरों के विकास हेतु हथकरघा विकास की योजना, प्राथमिक बुनकर तहवेंग समितियों के सुदृष्टीकरण ली योजना एवं राष्ट्रीय हथकरघा विकास की योजना चल रही है। इसके सहित संधाल परगना हेतु मेंगा हैण्डलूम क्लस्टर विकास, गोड़ा कार्यान्वित की जा रही है।
3	यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर सही हैं तो बुनकरों के उत्थान के लिए सरकार कार्य करना चाहती है, छाँ तरे कब तक, गही तो क्यों?	राजकार बुनकरों के उत्थान के लिए हथकरघा विकास की योजना, प्राथमिक बुनकर सहयोग समितियों के सुदृष्टीकरण ली योजना एवं राष्ट्रीय हथकरघा विकास की योजना कार्यान्वित भी जा रही है।

ज्ञारखण्ड सरकार  
लघोग विभाग

ज्ञापनक ५३८ / रोची, दिनांक २२.०३.२०१५ /

०६ / उक्ता० घ० (ल-राजित) - १७४१/२०१५

प्रतिलिपि ।— अवर सचिव ज्ञाधर निषानसभा सत्रियालय का उनके ज्ञाप सख्ता-१३६३ विंस० दिनांक ।

17.03.2015 के आलोक में 200 (दो सौ) अंतिशिख प्रतियों के सधे दृष्टिनार्थ एवं आयरणक फार्मवार्ड हेतु प्रेसित

सरदारी का लघु रायित  
२१/३/१५

**झारखण्ड सरकार**  
**मानव संसाधन विकास विभाग**

635

श्री अशोक कुमार स.वि.स. से प्राप्त लार्योक्सि प्रश्न संख्या मास-66

प्रश्नांक	प्रश्न	उत्तर
	वया नंदी, मानव संसाधन विकास विभाग, यह बलांगे की रूपा कर्त्तव्य दिये:-	बॉ० चीरा यादव, मानव संसाधन विकास विभाग, झारखण्ड सरकार
1.	वया यह बात सही है कि गोइडा जिलाकर्मी भेटरना प्रखण्ड के करनुरबा गांधी आवासीय विद्यालय शार्जितपुर के विद्यालय भवन में विजली के कवेश्वर नहीं है, जिससे गर्भी के नौसम में विद्यालय में रहने वाली छात्राओं को पठन-पाठन और कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है;	स्वीकारात्मक।
2.	वया यह बात सही है कि गोइडा जिला के किसी भी करनुरबा गांधी आवासीय विद्यालय में अलग से ड्रांसफर्मट लगाकर विद्युत आपूर्ति नहीं की गई है;	स्वीकारात्मक।
3.	यदि उपर्युक्त घण्डों का उत्तर स्वीकारात्मक है तो वया सरकार उक्त विद्यालय ये साथ-साथ गोइडा जिलों के सभी करनुरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में अलग से ड्रांसफर्मट लगाकर विजली का कवेश्वर लगाने पर विद्यार रखती है; हाँ तो कब तक, नहीं तो क्यों?	राज्य के ७९ करनुरबा गांधी बालिका विद्यालयों ने ड्रांसफर्मट की व्यवस्था हेतु आवश्यक प्रस्ताव वर्ष 2015-16 के राज्य बोजना बजट में शामिल किया गया है। इस प्रस्ताव पर स्वीकृति प्राप्त होते ही करनुरबा गांधी बालिका विद्यालयों में विद्युत आपूर्ति हेतु स्नतत्र ड्रांसफर्मट की व्यवस्था की जायेगी।

*(अभियुक्त)*  
**सरकार के अधिकारी सचिव।**

**झारखण्ड सरकार**  
**मानव संसाधन विकास विभाग**  
**प्रापांक 595....., दिनांक- 21/3/15**

**प्रतिलिपि-** अवर सचिव, झारखण्ड विधान सभा सचिवालय, दर्ती को उक्ते प्रापांक 622, दिनांक 09.03.2015 के प्रश्नांग में वांछित प्रतिवेदी के साथ शूचनार्थ पूर्ण आयश्वरक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

*(अभियुक्त)*  
**सरकार के अधिकारी सचिव।**

636

झारखण्ड सरकार  
मानव रासाधन विकास विभाग

श्री कुणाल बाङ्गी, स.वि.स. से प्राप्त तारंकित प्रश्न संख्या-मास-102

प्रश्नांक	प्रश्न	उत्तर
	क्या मंत्री, मानव संसाधन विकास विभाग, यह बताने की इच्छा करेंगे कि:-	मंत्री जीरा यादव, मानवीय अंतर्राष्ट्रीय संसाधन विकास विभाग, झारखण्ड सरकार
1.	क्या यह बात सही है कि झारखण्ड में NCERT रिसोर्स लागू है और आज तक कभी भी स्थानी समस्या पर छात्रों को पाठ्य पुस्तक बुहौदा नहीं किया जा रहा है;	वस्तुस्थिति यह है कि राज्य सरकार द्वारा CBSE पाठ्यक्रम लागू किया गया है और NCERT की पुस्तकों मात्र कक्षा 1 से 9 के बच्चों को जिःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है। यह सही है कि किसी-किसी वर्ष में विलेब से पुस्तकों उपलब्ध कराई गई है।
2.	क्या यह बात सटी है कि झारखण्ड राज्य में बंगला अंडिया, संथाली, हो मुण्डारी, नद्या कुटमाटी आदि बहुत दारे क्षेत्रीय एवं जनजाति भाषाओं को द्वितीय राजभाषा का दर्जा दिया गया है, लेकिन इन भाषाओं में पाठ्य पुस्तक उपलब्ध नहीं है;	वस्तुस्थिति यह है कि सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत बच्चों को हिन्दी भाषा के प्रस्ताक के स्थान पर उनके शिक्षालय के मांग के आधार पर उर्ध्व बंगला एवं उंडिया भाषा की किताब उपलब्ध कराई जा रही है।
3.	यदि उपर्युक्त बोनों राज्यों का उत्तर स्वीकारकर्ता है तो क्या सरकार अलगो शिक्षा सत्र में प्रथम से दशम श्रेणी तक सभी भाषाओं में तथा गैरभाषेत्तर विषयों में पाठ्य-पुस्तक उपलब्ध कराने का विचार रखती है, तो कब तक नहीं तो क्यों?	प्रारंभिक विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति विषय के आधार पर नहीं होती है और शिक्षक से अपेक्षित है कि वे सभी विषयों के पुस्तकों को पढ़ने का यार्थ संपादित करें। शिक्षक/पाठ्य शिक्षक राजनीय भाषा के जानकार नहीं हैं और वे अन्य विषयों को भी बच्चों वी भाषा में पढ़ाने में असमर्थ नहीं हैं। सर्व शिक्षा अभियान के तहत वर्ष 1 से 9 तक विषयों की अध्ययन भाषाओं के अन्तर्गत अन्य भाषा की पुस्तक उपलब्ध कराने पर राज्य सरकार योग्यतापूर्वक विचार कर रही है।

सरकार के संतुष्टि दाविद।

દ્વારા દ્વારા દ્વારા

**मानव संसाधन विकास प्रभाव**

आपाक- 597

रोंची, दिनांक- 21/3/15

**प्रतिलिपि :-** अपर संचिच, झारखण्ड विधान सभा संविधालय, रौंडी को उधारे साथेक 1268, दिनांक 15.03.2015 के प्रसंग में यांत्रिक प्रसिद्धों के साथ सूचनार्थी एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रोवेष्ट।

सरकार के संबोधन सचिव।

(637)

565  
२१/०३/२०१५

श्री जगरकार्य महतो, भारतसभा० से प्राप्त तार्याकृत प्रश्न संख्या -मास-४६  
क्षण भाजनीय मंत्री, भाजप संसाधन विकास विभाग यह उत्तराने की कृपा करेंगे कि-

क्रमांक	प्रश्न	उत्तर
1	क्षण यह बात सही है कि गिरिडीह जिलान्तर्गत दुमरी प्रखण्ड के जरीडीह, चालमो, बरहमसिया, ससारखो, ३० मध्य विद्यालय बोकारो जिला विद्यालय अलारगो, ३० मध्य विद्यालय लहिया को उच्च विद्यालय में उत्कमित नहीं किया गया है।	उत्तर रवीकारात्मक है।
2	क्षण यह बात सही है कि खण्ड-१ में वर्णित विद्यालयों में उच्च शिक्षा की पद्धति नहीं होने से गरीब बच्चे उच्च शिक्षा से बंचते हो रहे हैं।	उत्तर आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है। इन प्रखण्डों के छात्रों को १३ किलोमीटर से २५ किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है।
3	यदि उपर्युक्त लाप्डों के उत्तर रवीकारात्मक है, तो क्षण सरकार खण्ड-१ में वर्णित विद्यालयों को उच्च विद्यालय में उत्कमित करना चाहती है, तो कब तक नहीं हो सके ?	राज्य सरकार राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के तहत ५ किलोमीटर की परिधि में उच्च विद्यालय की सुविधा उपलब्ध कराने की नीति निर्धारित की है। इस नीति के तहत उत्कमित मध्य विद्यालय, जरीडीह को उच्च विद्यालय में उत्कमित करने का प्रस्ताव इसी यर्थ मारत सरकार की भेजा गया है। उत्कमित मध्य विद्यालय, ससारखों तथा मध्य विद्यालय, चालमो, बरहमसिया को भी उच्च विद्यालय में उत्कमण हेतु प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जायेगी।

सरकार के संयुक्त सचिव।

झारखण्ड-सरकार  
भाजप संसाधन विकास विभाग

ज्ञापांक-७/स.१वि(i)-५३/२०१५..... ५६५ ....., दिनांक २१/०३/२०१५  
प्रतिलिपि:- अदर सचिव, झारखण्ड विधानसभा सचिवालय, संची को अतिरिक्त प्रतियों के लाय सूचनार्थ एवं अवश्यक कार्रवाई हेतु दीजित।

सरकार के संयुक्त सचिव।

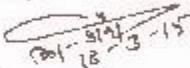
638

श्री रामकुमार पाहन, मानवीय संविधान द्वारा दि. 24.03.2015 को पूछे जानेवाले  
तात्संकेत प्रश्न संख्या भाषा-49 का उत्तर

क्रम सं.	प्रश्न	उत्तर
1	क्या यह बात सही है कि झारखण्ड राज्य के रौची, लौहरदगा, गुमला, सिंहभूम, सिमड़ेगा एवं खूंटी आदि क्षेत्रों में नागपुरी भाषा नागपुरी है;	आशिक रूप से स्वीकारात्मक। सिंहभूम में इसी बोलनेवालों की संख्या ज्ञान्य है।
2	क्या यह बात सही है कि इन प्रमुख क्षेत्रों में नागपुरी भाषा बोलने के बावजूद इस भाषा का विकास नहीं हुआ है;	अस्वीकारात्मक। नागपुरी भाषा को अधिसूचना सं. 778, दि. 18.11.2011 द्वारा राज्य की द्वितीय राजभाषा का घोषणा दिया गया है।
3	यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार नागपुरी भाषा का विकास का विचार रखती है, यदि हाँ तो, लबतक, नहीं तो क्यों?	सरकार राज्य की भाषाओं के विकास के लिये कृतसंकल्प है।

झारखण्ड सरकार  
कार्मिक, प्रशारानिक सुधार तथा राजभाषा विभाग

झारखण्ड राजभाषा/संसदीय० 17/2015 ...45... सं०/रौची, दिनांक /8 मार्च, 2015  
प्रति, अवर सचिव, झारखण्ड विधान सभा, रौची को उनके ज्ञाप सं. 763 वि.स., दिनांक-04.  
03.2015 के आलोक में 200 प्रतियों में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

  
 (आमा कौशी)  
 सरकार के संयुक्त सचिव

श्री दीपक विरुद्धा, सठविंसठ द्वारा दिनांक-24.03.2015 को पूछ जाने वाला  
तासांकित प्रश्न संख्या-मास-100

639

क्र०	प्रश्न	उत्तर सामग्री
1.	क्या गह बत रही है कि कोल्हापुर विश्वविद्यालय लीनेट की बैटरी दिनांक 27.02.2015 को बुलाई गई थी?	उत्तर स्वीकारात्मक है।
2.	मगा नह आज उत्तर लही है कि उत्तर दैटक में अंडेट और डिकिनेप सर्वस्वों एवं अलंकारी कट कूलपते अपने सारे नी ली ८२ लिंगों लेते हैं?	उत्तर असरीकारात्मक है। बैटरी में उपरियत उदस्यों की सहमति से भी निर्णय लिया जाता है।
3.	क्या यह बत सही है कि उत्तर दैटक में म्यालीस जलप्राप्तिक्रियि (सिंडेकेट सदस्य) की अनुपरियते ने १५४.४३ करोड़ काशे की घोषणाओं को मंजूरी दी गई है?	उत्तर असरीकारात्मक है। वस्तुरियति यह है कि नैटक की सूचना सभी सदस्यों को पत्र के साथ से दी गयी थी। संकारीय जलप्राप्तिक्रियि को छोड़कर सभी संदर्भ उपरियत एवं उत्तर बैटरी में १४०.६३ करोड़ मार्गदर्शक का बजट प्रस्ताव प्रस्तुत हैं यादि किया जाया है, जिसमें घोषणामात्र ने २५.८० करोड़ हैं तो गैर योजना मात्र के लिए १५४.४३ लरेफ लघवे प्रस्ताव हैं।
4.	यदि उपरोक्त गांधों के उत्तर उत्तर उपर्युक्त रूपों में सम्भिष्ठ हैं।	उत्तर उपर्युक्त रूपों में सम्भिष्ठ है।

झारखण्ड सरकार  
मानव संसाधन विकास विभाग।

ज्ञापाक ५/वि२-३४/२०१५....., दाँची दिनांक- २१/०३/१५.....,  
प्रतिलिपि:-अगर सचिव, झारखण्ड विधाव सभा सचिवालय, दाँची 'को उनके  
ज्ञापाक-१२७० दिनांक-१५.०३.२०१५ के प्रस्तुत में वांछित प्रतियों के साथ सूचनार्थ एवं  
आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

रामेश्वर मुख्यमंत्री  
लाल दास संसाधन विकास विभाग,  
झारखण्ड, दाँची।

640

श्री साधु चरण महतो, माननीय सर्विंसर्व दिनांक 24.03.2015 को पूछे  
जानेवाले ताराकित प्र०स०-व०-११ की उत्तर सामग्री:-

प्रश्न	उत्तर
1. क्या यह बात सही है कि जिला सचायकोला-खरफदौ अंतर्गत नक्सिंह इस्पात्रां लिंग कम्पनी वन विभाग की जगीन पर अधिकारिशता है,	आंशिक रूप से स्वीकारात्मक। कुरली PF में 1.04 एकड़ हर भूमि का अतिक्रमण कर फैकट्री आंशिक अनियुक्त है।
2. क्या यह बात सही है कि उक्त कम्पनी को पर्यावरण Clearance वन विभाग का जमीन होते हुए भी दिया गया है;	कम्पनी को पूर्णआइए० अधिसूचना 2008 के अन्तर्गत पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भरत सरकार द्वारा पर्यावरणीय स्टीक्टि प्रदान की रई है।
3. क्या यह बात सही है कि उक्त कम्पनी के द्वारा करीब आदिकरियों की जमीनों पर अवैध रूप से रास्ता बनाया जा रहा है;	अर्थीकारात्मक।
4. यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार नक्सिंह इस्पात्र कम्पनी द्वारा किये जा रहे अत्याचार को रोकने एवं प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर विचार सर्वतों हैं, हाँ तो क्षबतक, नहीं तो क्ष्टों।	मैसर्स भरशीह इस्पात लिंग द्वारा वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु आवश्यक उपकरण स्थापित की गई है। इकाई के विरुद्ध शिकायत प्राप्त होने एवं प्रदूषण नियंत्रण संयंत्रों के संचालित नहीं पाए जाने पर एसद द्वारा यिथि सम्मत कार्रवाई की ज़रूरी। वन विभाग द्वारा अतिक्रमित भूमि पर अवश्यक कानूनी कार्रवाई की गयी है।

झारखण्ड सरकार  
वन एवं पर्यावरण विभाग  
ज्ञापांक-५/विधानसभा सारोंगित प्रक्षेत्र-२९/२०१५- १५२८ वर्ष, रोपी, दि-०२.०३.२०१५

प्रतिलिपि-अवर सचिव, झारखण्ड विधानसभा, रांची को उनके ज्ञाप सं०-११९१ दिनांक १३.०३.२०१५ के प्रसंग में अतिरिक्त २०० प्रतियों के राध/उप सचिव, मौत्रेमंडल सचिवालय एवं सभन्यय (संसदीय कार्य) विभाग, झारखण्ड, रांची/माननीय मुख्यमंत्री को आप सचिव, झारखण्ड सरकार/मुख्य सचिव को संघिय, झारखण्ड सरकार, रांची को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

मृगी।१५  
(सुनील कुमार)  
सरकार के उप सचिव

(641)

श्री शिव शंकर उर्ध्व, स०वि०स० द्वारा दिनांक-24.03.2015 को पूछ जाने  
वाला तारीखित प्रश्न संख्या-मासि-४९

क्र०	प्रश्न	उत्तर सामग्री
1.	क्या अहं बात लही है कि गुमला जिलाकर्तार्मन गुमला में कार्रिय उर्द्ध नहाविद्यालय संचालित है?	उत्तर स्वीकारात्मक है।
2.	क्या यह बात सही है कि उक्त महाविद्यालय में टजालकोल्टट थी पढ़ाई नहीं होने से विद्यार्थियों को टाँची (100 किमी) या अन्यब्र जाना पड़ता है?	उत्तर स्वीकारात्मक है।
3.	यदि उपरोक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सहकार उक्त महाविद्यालय में रवालकोल्टट थी पढ़ाई शुरू करने का विचार रखती है, हाँ तो कब तक, जहाँ तो व्याँ?	झास्त्राण्ड राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 2000 की धारा-४(७) के अन्तर्गत किसी अंगीकृत महाविद्यालय में टजालकोल्टट थी पढ़ाई प्रारंभ करने हेतु संबंधित विश्वविद्यालय सक्षम है।

झास्त्राण्ड संस्कार  
मानव संसाधन विकास विभाग।

झापांक 5.वि२-३३/२०१५.....के ६८...../ शंकी दिनांक-२.१.०३.११.५...../  
प्रतिलिपि:-अवर सचिव, झास्त्राण्ड विद्यालय सभा सचिवालय, राँची की उनके  
झापांक-११८७ दिनांक-१३.०३.२०१५ के प्रसंग में वांछित प्रतिवेदनों के साथ सूचजार्य एवं  
आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

संस्कार  
मानव संसाधन विकास विभाग,  
झास्त्राण्ड, राँची।

642

द्वारकण्ड सरकार  
मानव संसाधन विकास विभाग

श्री अमित युमार स.यि.स. से प्राप्त तारीखित प्रश्न संख्या मास-१२

क्रमांक	प्रश्न	उत्तर
	कथा मंत्री, मानव संसाधन विकास विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे विड़ी-	डॉ० बीरा चालव, मानवीय मंत्री, मानव संसाधन विभाग, विड़ी-कारात्मक।
1.	कथा यह बात सही है कि सिल्ली विद्यालय सभा क्षेत्र के राहे प्रखण्ड में कस्तुरबा गाँधी आवासीय विद्यालय नहीं हैं;	स्वीकारात्मक।
2.	कथा यह बात सही है कि राहे से सोनाहातु एवं सिल्ली प्रखण्ड में इयत कस्तुरबा गाँधी आवासीय विद्यालय की दूरी ३० कि० नी० है;	स्वीकारात्मक।
3.	यदि उपर्युक्त ऊर्णों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो कथा सरकार यहे प्रखण्ड में कस्तुरबा गाँधी आवासीय विद्यालय को स्थापना करेगा याहां तो क्या रक्क नहीं तो क्यों?	पुराने प्रखण्डों सिल्ली, सोनाहातु एवं अंगड़ा से कटकर रहे एक नया प्रखण्ड बना है; उस तीर्नों पुगने प्रखण्डों में कस्तुरबा गाँधी वार्डिवडा विद्यालय संचालित है, जहाँ नवसृजित राहे प्रखण्ड वही बालिकाएँ भी जानाएंगी हैं।  इहे लहित राष्ट्र ६७ जने प्रखण्डों में कस्तुरबा गाँधी बालिका विद्यालय स्थापित करने के लिए सर्व शिक्षा अभियान से अन्वर्तित वर्ष २०१५-१५ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार को प्रस्ताव दिया गया था, जिस पर स्वीकृति प्राप्त नहीं हुई। वर्ष २०१५-१६ थी योजना में पुनः इसे शामिल कर भारत सरकार को उमणी स्वीकृति हेतु भेजा गया है।

सरकार के संबुद्धि चिन्ह।

द्वारकण्ड सरकार  
मानव संसाधन विकास विभाग  
क्रमांक- 601 ..... दौरी, दिनांक- 21/3/15.....

प्रतिलिपि:- अवट सर्विय, द्वारकण्ड विधान सभा सचिवालय, रौची को उनके क्रमांक 1166, दिनांक 13.03.2015 के प्रसंग में यांचित प्रतिवार्ता के साथ शूचवार्ता एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजित।

सरकार के संबुद्धि चिन्ह।

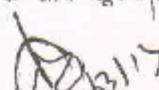
641

श्री शिव शंकर उर्फ़ेँ, स०वि०स० धारा दिनांक-24.03.2015 को पूछा जाने  
वाला तार्याकित प्रश्न संख्या-मास-४९

क्र०	प्रश्न	उत्तर सामग्री
1.	क्या यह बात सही है कि गुलला जिलाव्याप्ति गुमला में कार्तिक उर्सॅथ नहाविद्यालय संचालित है?	उत्तर स्वीकृतात्मक है।
2.	क्या यह बात सही है कि उक्त महाविद्यालय में उनातकोत्तर की पढ़ाई नहीं होने से विद्यार्थियों को दौड़ी (100 किमी) या अन्यत्र जाना पड़ता है?	उत्तर स्वीकृतात्मक है।
3.	यदि उपरोक्त छाड़ों के उत्तर स्वीकृतात्मक हैं तो क्या उत्तरकर्ता उक्त महाविद्यालय में उनातकोत्तर की पढ़ाई शुरू कराने का विषय रखती है, हाँ तो कब तक, नहीं तो क्यों?	झारखण्ड सरकार विश्वविद्यालय अधिनियम, 2000 की धारा-4(17) के अन्तर्गत यिसी अंगीभूत महाविद्यालय में उनातकोत्तर की पढ़ाई प्रारंभ करने हेतु संबंधित विश्वविद्यालय सकाम है।

झारखण्ड सरकार  
मानव संसाधन विभाग।

झापांक 5/वि॒-३३/२०१५..... ५६८..... दिनांक- २१/०३/१५.....  
प्रतिलिपि:-अवर सचिव, झारखण्ड विधाज रभा दायित्वालय, रौशी को उल्के झापांक-११८७ दिनांक-१३.०३.२०१५ के प्रसंग में गोपित प्रतिचाँ के साथ सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

  
संकुल रौशी,  
मानव संसाधन विभाग विभाग,  
झारखण्ड, रौशी।

642

**ज्ञारस्पृष्ठ सरकार**  
**मानव संसाधन विकास विभाग**

श्री अमित कुमार स.यि.स. से प्राप्त तार्यांकित प्रश्न संख्या मासि-92

प्रश्नांक	प्रश्न	उत्तर
	क्या मंत्री, मानव संसाधन विकास विभाग, यह बतलाएं थीं कृपा करेंगे दिक्षिण-	डॉ० बीरा चाकव, मानव संत्री, भावन संसाधन विकास विभाग, ज्ञारस्पृष्ठ सरकार स्वीकारात्मक।
1.	क्या यह बात सही है कि लिल्ली शिधान सभा को ज के राहे प्रखण्ड औं कस्तुरबा गाँधी आदारीय विद्यालय बही है;	स्वीकारात्मक।
2.	यदा यह बात सही है कि राहे औं लोनाहातु एवं लिल्ली प्रखण्ड के दिलत कस्तुरबा गाँधी आदारीय विद्यालय की दूरी 30 किमी है;	पुराने प्रखण्डों लिल्ली, सोनाहातु एवं अलगड़ा से कटकर राहे एक बाया प्रखण्ड बना है। उक्त तीनों पुराने प्रखण्डों में कस्तुरबा गाँधी बालिका विद्यालय संचालित है, जहाँ नवजागित राहे प्रखण्ड की बालिकाएँ भी जामांकित हैं।
3.	यदि उपर्युक्त घटकों के उच्चर स्वीकारात्मक हैं तो क्या जाटकार राहे प्रखण्ड में कस्तुरबा गाँधी आदारीय विद्यालय की स्थापना चरना याहती है, तो क्य तक, अहीं तो क्यों?	उहे सहित जाज्य 57 अवे प्रखण्डों में कस्तुरबा गाँधी बालिका विद्यालय स्थापित करने के लिए सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत वर्ष 2014-15 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रस्ताव दिया गया था, जिस पर स्वीकृति प्राप्त नहीं हुई। वर्ष 2015-16 की ओरमा जै पुनः हस्तानिल कर भारत सरकार की उनकी स्वीकृति हेतु गोजा गया है।

सरकार के संयुक्त सचिव।

**ज्ञारस्पृष्ठ सरकार**  
**मानव संसाधन विकास विभाग**  
प्राप्तक्रम- 601 ..... तार्यांक- 21/3/15

प्रतिलिपि:- अवर सचिव, ज्ञारस्पृष्ठ विभाग सभा खिलानाम, राँधी को उनके ज्ञापांक 1186, दिनांक 13.03.2015 ये प्रश्न जै वाचित प्रांतियों के साथ सूचनाएँ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

सरकार के संयुक्त सचिव।

(643)

561  
21/03/2015

श्री कुशवाहा शिवपूजन मेहता, मानसविंशति से प्राप्त तारोंकित प्रश्न संख्या -मास-68  
क्या मानवीय मंत्री, मानव संसाधन विकास विभाग यह बतलाके की पृष्ठा करेंगे कि:-

क्रमांक	प्रश्न	उत्तर
1	क्या यह बात सही है कि पलामू जिलाकर्गत हरिहरगंज रियत मोतीराज महिला इंटर कॉलेज तथा बालकिशोर सिंह इंटर कॉलेज जो सम्बद्धता प्राप्त कॉलेज हैं, मे केवल हब्टर के कला (आर्ट्स) की पढ़ाई होती है।	उत्तर आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है। प्रश्नाधीन दोनों हंटर महाविद्यालय झारखण्ड हंटर महाविद्यालय स्थापना अनुमति एवं प्रतीकृति (शर्त एवं लंबेज) दिवंगमबली, 2008 के तहत कला संकाय द्वारा प्रस्तुती प्राप्त की गई है, इस कारण से प्रश्नाधीन महाविद्यालयों में साईन्स तथा कॉमर्स की पढ़ाई नहीं हो सकती है।
2	क्या यह बात सही है कि खण्ड-1 में यारित कॉलेजों में साईन्स तथा कॉमर्स की पढ़ाई नहीं होती है।	उत्तर राजीकारात्मक है। दोनों महाविद्यालयों द्वारा आश्रम कला संकाय द्वारा प्रतीकृति प्राप्त की गई है, इस कारण से प्रश्नाधीन महाविद्यालयों में साईन्स तथा कॉमर्स की पढ़ाई नहीं हो सकती है।
3	क्या यह बात सही है कि खण्ड-1 में दर्शित फॉलोजों से हब्टर यास कट्टने के बाद स्नातक ली पढ़ाई स्थानीय स्तर पर नहीं होने से गरीब तथा साधन विहीन बच्चे स्नातक की पढ़ाई नहीं कर पाते हैं।	उत्तर आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है।
4	यदि उपर्युक्त आण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार पलामू जिला के हरिहरगंज रियत मोतीराज महिला इंटर कॉलेज तथा बालकिशोर सिंह इंटर कॉलेज में साईन्स, कॉमर्स तथा स्नातक की पढ़ाई की स्वीकृति प्रदान करना चाहती है, तो क्या तक वही तो क्यों?	झारखण्ड हंटर महाविद्यालय स्थापना अनुमति एवं प्रस्तीकृति (शर्त एवं लंबेज) दिवंगमबली, 2008 के तहत प्रस्तावित महाविद्यालयों द्वारा साईन्स एवं कॉमर्स एवं हंटर स्तर की पढ़ाई हेतु आवेदन देने तथा विधानित शर्तों को पूरा करने पर ही राज्य सरकार इस सदर्भ में विचार कर सकती है। प्रश्नाधीन दोनों महाविद्यालय प्रतीकृति प्राप्त हंटर महाविद्यालय है। इन्हें डिग्री महाविद्यालय में उत्कृष्ट करने का प्रावधान नहीं है।

सरकार के संतुष्टि दोषित।

झारखण्ड-सरकार  
मानव संसाधन विकास विभाग

नामांक-7/स.1वि.पि)-44/2015.....561....., दिनांक 24/03/2015,  
प्रतिलिपि:- अवृत सचिव, झारखण्ड विधानसभा सचिवालय, रांची को अतिरिक्त प्रतियों के साथ सूचनाएँ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

सरकार के संतुष्टि सचिव।

श्री अरुप यटजी, सर्विंसो द्वारा दिनांक-24.03.2015 का पूछ जाने चाहता है।  
तात्पारता प्रश्न संख्या-गाँव-१८

6A4

प्रश्न	उत्तर सम्बन्धी
1. क्या यह बत रही है कि धनबाद जिलान्तरीय बनारास अद्वितीयता में ० के ० रोप और रोपीयल कोलेज में ही एक मान्य उत्तराकोलर की पढ़ाई होती है,	उत्तर स्वीकारात्मक है।
2. क्या यह बत रही है कि धनबाद जिला के चिट्ठा, सिन्धरी, गोपिन्दपुर तथा झिरिया ले गोधावी छात्र/छात्राओं को उच्चतम शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाई होती है,	उत्तर स्वीकारात्मक है।
3. क्या यह बत रही है कि राष्ट्र-२ में वर्णित क्षेत्रों के नहाविद्यालयों ने गोधावी छात्र/छात्राओं के हित में उच्चतम शिक्षा प्राप्त करने हेतु प्रत्येक विषय की पढ़ाई प्रारंभ करना आवश्यक है,	उत्तर स्वीकारात्मक है।
4. क्या उपरोक्त स्थानों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या भास्कर राष्ट्र-२ में वर्णित क्षेत्र में नहाविद्यालयों ने गोधावी छात्र/छात्राओं के हित में उच्चतम शिक्षा प्राप्त करने की इच्छा है, हाँ तो क्या वह, नहीं तो क्यों?	विश्वविद्यालय अधिनियम, 2000 की वारा-४(१) के अलाके ने किसी अंगीभूत महाविद्यालय में उत्तराकोलर की पढ़ाई प्रारंभ करने हेतु संबंधित विश्वविद्यालय समझ है।

झारखण्ड अटकार  
मानव संसाधन विकास विभाग।

ज्ञापांक ५/वि२-३८/२०१५...../ रांची विकास-१४/६३/१.५...../  
प्रतिलिपि:-अवर गोपीन, झारखण्ड विधान सभा संचयनलय, रोपी को उनके डायंक-११८। दिनांक-१३.०३.२०१५ के प्रसंग में वांछित प्रतिलिपि के लाज मूलपर्यंत एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

संस्कृत अधिकारी,  
मानव संसाधन विकास विभाग,  
झारखण्ड, रोपी।

(645)

चतुर्थ झारखण्ड विधान सभा का द्वितीय (बजट) सत्र में दिनांक 24.03.2015 को  
श्री निर्भय कुमार शाहावादी, सठविंसठ द्वारा पूछा जाने वाला तारांकित प्रश्न सं  
—विठ्ठल—11 का उत्तर प्रतिवेदन

प्रश्न	उत्तर
1. व्यापक बात सही है कि पिरिडीह जिले एक उपग्राम प्रभागी थोड़े होने के लाभ-शायद अदि निचले बाहुल्य जिला है। ऐसके अन्तर्में 13 (तीरह) प्रखण्ड हैं।	1. श्वीकारात्मक।
2. व्यापक बात सही है कि खण्ड (1) में वर्णित जिले में दिन 14 वार्षी में एक भी तकनीली शिक्षण तंत्याग जैसे इंजीनियरिंग कॉलेज व प्रौद्योगिक जॉलेज नहीं ढूँढ़े जाने के (कारण) उक्त जिला के लोग उन्हें आप को उनके लिए महसूस कर रहे हैं।	2. अस्ट्रेकरात्मक।
3. यह एक बहुत सही है कि शास्त्र में ज्ञान नहीं जिले ऐसे हैं जो देशभूल या दृष्टिकोण से बहुत छोटा होने के बजाय वहीं राजकार वर्ष हवानीकी शैक्षण संस्थान की स्थापना कर द्या ही है।	3. अस्वीकारात्मक।
4. यह उन्नीस ज़िलों के उत्तर श्वीकारात्मक है, हमें क्या सरकार खण्ड-(1) में वर्णित जिले के सुख्खालर में भी जिला निर्दली गोपनीय के आगामी दिवेंट वर्ष 2015 '6 में ही तकनीकी शिक्षण संस्थान खोलने का विचार रखती है, हो सकता, नहीं हो सकता?	4. राज्य राजकार द्वारा पिरिडीह जिले के अखल लोदर, नॉजा-पारमुदो, थाना भंग-108, आदा रंग-01, खेसरा नं-2976, राज्य-10.00 ल००, गैरमचुरुलआ खास किंसम जगत भूगि जो उत्तापन, पिरिडीह द्वारा उपलब्ध कराया गया है वै प्रौद्योगिक निर्माण वा निषंद लिया जा सकता है।

**झारखण्ड सरकार**  
**विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग**  
**नेगल बाजार, झारखण्ड, भारती**

ज्ञापनक 2विठ्ठल/विठ्ठल—22/15 — — ७०२ / रोक्ति, दिनांक— 20.03.15  
प्रतेजिपि— माननीय मुख्यमंत्री के प्रतान्त्र सचिव/अवर सचिव, झारखण्ड दिनांक सामा सचिवालय को उनके ज्ञापनक 1092 दिनांक 13.03.2015 के डालोक में 200 प्रतियों के साथ झारखण्ड, रौको को सूचनार्थ एवं अदरक कायांथ घोषित।

(रविन्द्र कुमार सिंह)  
सरकार के अवर सचिव

646

श्री जगरनाथ महतो, माननीय सदस्य विधान सभा द्वारा दिनांक—24.03.2015 को पूछा  
जानेवाला तारांकित प्रश्न संख्या—उ०—१२ की उत्तर रागार्पी।

क्र०	प्रश्न	उत्तर रागार्पी
१	२	३
१	क्या यह बात सही है कि बांकारो ज़िला में कोटला की बाहुल्यता है ?	स्वीकारात्मक है।
२	क्या यह बात सही है कि कोयले पर आधारित उद्योग पर्याप्त मात्रा में नहीं है ?	स्वीकारात्मक है।
३	यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार खण्ड-१ में धर्मित झुमरी प्रखण्ड में कोयले पर आधारित उद्योग ली स्थापना करना आहटी है, हाँ तो कबतक नहीं तो क्यों ?	राज्य सरकार स्वयं उद्योग को स्थापना नहीं करती है। उद्योग स्थापना संबंधी प्राप्त प्रस्तावों पर औद्योगिक नीति अन्तर्गत विचार लिया जाता है।

झारखण्ड सरकार  
उद्योग विभाग

ज्ञापांक ५४० / राज्यीय दिनांक २२.०३.२०१५ /

३३/उल्लौ/विधानसभा (नामोंकेत प्रस्तु) -०१/२०१५

प्रतिलिपि :— उद्योग, संचिव, झारखण्ड विधानसभा सचिवालय का उनके ज्ञाप संख्या—११३४ पिठौरा दिनांक—१२.०३.२०१५ के आलोक में २०० (दो रुपी) आवेदित प्रतिवेदी के साथ सूचनार्थ एवं आवश्यक चार्टनार्स देखु प्रेषित।

21/3/15  
सरकार के उप सचिव  
नृ-

(647)

झारखण्ड सरकार  
मानव संसाधन विकास विभाग

श्री योगे कुमार यादव, स.पि.स. से प्राप्त लाइसेंस प्रैन संख्या-मास -१६

क्रमांक	प्रश्न	उत्तर
	वया नंबरी, मानव संसाधन विकास विभाग, यह बताता है की कृपा करेंगे कि:-	डॉ० नीरा यादव, मानवीय नंबरी, मानव संसाधन विकास विभाग, झारखण्ड सरकार
1.	वया यह बात जही है कि विद्यालयों में भीड़ हे गी। योजना के तहत बच्चों को भीड़ हे भीज दिया जाता है;	स्वीकारात्मक।
2.	वया यह बात जही है कि विद्यालयों में भीड़ हे गी। परकाने वे पटोकने हेतु रसोईयों को कान्त्र १००० (एक हजार) रुपये मानदेय दिया जाता है;	स्वीकारात्मक।
3.	वया यह बात जही है कि विद्यालयों में भीड़ हे गी। योजना के तहत प्रबंध समिति के अध्यक्ष, रायोजक एवं वाम शिक्षा समिति, एवं अध्यक्ष भी अपने पद के अनुसार कार्यरत रहते हैं लेकिन इन्हें कोई मानदेय नहीं दिया जाता है;	वर्तुलिति यह है कि अध्यात्म भोजन योजनावली प्रत्येक विद्यालय दिवस के दिल रसोईया छाता विद्यालयों में भोजन पकड़ने, खोजने, साफ-सफाई रखने आदि का कार्य संपादित किया जाता है। विद्यालय प्रबंध समिति या सरस्वती वाहिनी के पदाधिकारी/सदस्यगण से यह अपेक्षित जही है कि वे प्रति दिन विद्यालय में उपचिल २५०० उक्त कार्यों में अपना योगदान दें। उनसे अपेक्षा रठती है कि वे इस योजना के डिजाइनर्स वे तेहत से विद्यालयों से संचालित करने के लिए अपना सुझाव दें। और कल्याण-सम्बन्ध पर इसका अनुश्रूति करें।
4.	यदि उपर्युक्त घण्टों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो वया सरकार रसोईयों को बूझारख नामदूरी के दर से मानदेय एवं प्रबंध समिति अध्यक्ष, संयोजिता एवं प्रबंध विभाग समिति के अध्यक्ष को भी मानदेय देने का विचार चर्चाए है, ठीं तो क्या तक, नहीं तो क्यों?	भव्यात्मक योजना योजना अवधारित कार्यरत रसोईया को मानदेय भारत सरकार द्वारा दिशा-निरेश के अनुरूप दिया जा सकता है। मानदेय ने पूछा का प्रस्ताव राज्य सरकार के मंत्रालयों ने नहीं है। दिशा-निरेश प्रबंध समिति के अध्यक्ष/सदस्यानी वाहिनी की संयोजिता को लाभदाय देने का कोई प्रायथाल भारत सरकार वे दिशा-निरेश में नहीं हैं।

सरकार के सहृदय सचिव।



(647)

झारखण्ड सरकार  
मानव संसाधन विकास विभाग

श्री राजे कुमार यादव, ज.वि.स. श्री प्राप्त लार्योकिल प्रश्न संख्या-मास - १६

प्रश्न	उत्तर
क्या नंत्री, मानव संसाधन विकास विभाग, अह बताना की कृपा करेंगे कि:-	डॉ. चौरा यादव, मानवीय नंत्री, मानव संसाधन विकास विभाग, झारखण्ड सरकार
1. क्या यह बात सही है कि विद्यालयों में भीड़ के भील योजना के तहत बच्चों को भीड़ के भील दिया जाता है;	स्वीकारात्मक।
2. क्या यह बात सही है कि विद्यालयों ने भीड़ के भील पकाने या गरोसने हेतु रसोईयों को क्रांत 1000 (एक टिहाई) रुपये मानदेय दिया जाता है;	स्वीकारात्मक।
3. क्या यह बात सही है कि विद्यालयों ने भीड़ के भील योजना के तहत प्रबंध समिति के अध्यक्ष, संचयोजक एवं राजमंडिल समिति आ अध्यक्ष भी अपने पां के अचुटार कार्यालय रहते हैं लेकिन इन्हें तोड़ भानदेय नहीं दिया जाता है;	यस्तु स्थिति यह है कि नायाहन भोजन योजनाकारी प्रतीक विद्यालय दिवस के दिन रसोईया छात्र विद्यालयों में भोजन पकाने, गरोसने, साफ-सफाई रखने आदि का यार्ड संपादित किया जाता है। विद्यालय प्रबंध समिति आ सरकारी वाहिनी वा पदाधिकारी/सदस्यवाण से यह अपेक्षित नहीं है कि वे प्रति दिन विद्यालय में उपरिकृत रहकर उत्तम कार्यों में अपना योगदान दें। उनसे अपेक्षा रहती है कि वे क्षम धोजन के विभागवाले को बेहतर से लेहराए हाईको से संवालित करके हेतु ऐंगित वे वैज्ञानिकों में अपना सुझाव दें। और रज्य-सम्बन्ध पर इसका अनुशवान करें।
4. यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो वया सरकार रसोईयों को न्यूजिलैंड मजदूरी के दर से मानदेय एवं प्रबंध समिति अध्यक्ष, संचयोजक एवं प्रबंध शिक्षा समिति के अध्यक्ष को भी मानदेय देने का विचार रखारी। मानदेय में एक वा कोई प्रावधान भारत है, हाँ तो क्या तल, नहीं तो सरकार के दिशा-गिरेश में नहीं है।	झारखण्ड सीजना योजना अन्तर्गत कार्यरता रसोईया वा मानदेय भारत सरकार के दिशा-गिरेश के अनुकूल दिया जा रहा है। मानदेय में सूचित वा प्रस्ताव संघर्ष सरकार के दिशा-गिरेश है। विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष/सदस्यवाले वाहिनी की संचयोजक वा कोई प्रावधान भारत है, हाँ तो क्या तल, नहीं तो सरकार के दिशा-गिरेश में नहीं है।

सरकार के सदृश्यता सचिव।



648

यमुर्थ झारखण्ड विधान सभा का द्वितीय (बजट) सत्र में दिनांक 24.03.2015 को श्री कगल किशोर मगत, राज्यविभाग द्वारा पूछा जाने वाला तारांकित प्रश्न सं० -विभाग-15 का उत्तर प्रतिवेदन

प्रश्न

1. क्या यह बात सही है कि लोहरदगा जिला में एवं भी इंजिनियरिंग कॉलेज नहीं हैं।
2. क्या यह बत सही है कि खण्ड-1 ने वर्षित जिला में इंजिनियरिंग कॉलेज नहीं होने से वहाँ के छात्रों द्वा तकनीकी एवं ग्रामीणीकी शिक्षा का विकास बाधित हो रहा है।
3. यदि उपरोक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार खण्ड-1 ने वर्षित जिला में इंजिनियरिंग कॉलेज खोलने का दिचार रखती है, हों, तो कब तक नहीं हो जये ?

उत्तर

1. स्वीकारात्मक।
2. अस्वीकारात्मक।
3. दक्षिणे छोटानागारु प्रन्दल ने एक इंजिनियरिंग कॉलेज खोलने का प्रस्ताव है जिसके लिये उपरदुल्त, राँची, गुनजा, खुर्टी, लोहरदगा से शूनि की गंग की गयी है जिरामे से राँची एवं लोहरदगा से शूनि का प्रस्ताव प्राप्त है।

झारखण्ड सरकार  
विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग  
मुख्यमंत्री, लोहरदगा, राँची

ज्ञापांक-2.विभाग-विभाग- 21/15 — ७०१ / राँची, दिनांक- 20.03.15  
प्रतिलिपि:- माननीय नुख्यमंत्री के प्रधान, सचिव/अवर सचिव, झारखण्ड विभाग समा सहिदाजय ले उनके ज्ञापांक 1271 दिनांक 15.03.2015 के अलोक ने 200 प्रतियों के साथ झारखण्ड, राँची को सूचनार्थः एव आवश्यक कार्यालय प्रेषित।

३०३/२०१५  
(रविंद्र कुमार सिंह)  
सरकार ले अवर सचिव

1449

386

श्री राधा कृष्ण किशोर, माननीय सदस्य विधान सभा द्वारा दिनांक-24.03.2015 को पूछ जाने वाला सारांकित प्रश्न संलग्न - विप्र-12 का उत्तर समझी :-

क्र. सं.	प्रश्नपत्रार्थी	उत्तरदाता
	श्री राज चूष्ण फिलोर, मानवीय अदर्श, पिधावर सना।	श्री राज पालिवार, मानवीय मंत्री, अम. जियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग, द्वारखंड सरकार
1	म्या चल था लहो है पि प्लाम् जिला अन्नपूर्णा प्रायरुद्ध अनुभंगल गुच्छाला में 03 कोटि 30 लाख लघ्ये की लाश औ औदोमित्र घट्टिक्षण शंखाद का भवन जर्म 2011-12 में बनाया गया है।	उत्तर उचिकारामक है।
2	व्या चल बाहर सहो है कि उक्त संरक्षण में जावाई और शिक्को ली गढ़स्थपता नहीं होते कि प्रथम आज तक प्राप्तिक्षण क्या कार्य प्राप्त नहीं हुआ जा रहा है।	उत्तर उचिकारामक है।
3.	दोहे राज्युक्त द्वारा या उत्तर उचिकारामक है तो व्या संरक्षण उपर संलग्न हो शिक्को का एवरामान कर्त्तव्य दृष्टि देखा कर्त्तव्य प्राप्त नहीं है, तो तो क्या तक नहीं हो क्यों?	भविपरिवद के विर्य के आलोक से बबिभिन्नत औदोमित्र प्रशिक्षण प्रभाग, छायुर का संतान दृष्टि द्वारा जैवल के क्लार्वल जर्म जैवल के लिए "ईच डी अमिल्डेन्ट" पो जाच्चम से विदित का प्रभाग पौंछ बर्णों में लाइन के उपरान कर्त्तव्य प्रतिक्रिय कर्त्तव्यी : औदोमित्र प्रतिक्रिय घटान, प्रभाग छाया जिमिया में आव नहीं हुआ जिया गया है। पुज़ विविद में उच्च term and condition ने आवश्यक दैहिक एवं पुज़ विविद वर्ष प्रतिक्रिय दृष्टि द्वारा / उद्योग के मध्ये में प्रशिक्षण वर्ष कार्य प्राप्त दिया जा लेता।

संक्षेप

बम, लिपोद्वारा एवं प्रसिद्धानि रेखागाँ,  
आत्मकृत, दीनीः

ਭਾਰਤੀ ਸਰਕਾਰ

श्रम, जियोजन एवं प्रशिक्षण मिशनार्ग।

उपर्युक्त दिवांक को अपने डिवांक संस्कृति में लिखना चाहिए।

प्रियोगी - अस्त्र संविष्ट वाहन

2015 के अंत में 320 जनरेशन एवं लैंगिक सम्बन्धीय अधिकारों का संकलन किया गया।

सरकार के उप लेपियः  
आनं विद्योग्न इति विशेषण विभावः  
विवाहं विवेदः।

1415

386  
- 71.224.15

श्री राधा कृष्ण किशोर, मानवीय सदस्य विधान सभा द्वारा दिनांक-24.03.2015 को पूछा जाने वाला सारांकित प्रश्न संख्या - विप्र-01-12 का उत्तर समझी :-

संख्या	प्रश्नपत्री	उत्तरदाता
	श्री राज चूष्ण फिल्होर, मानवीय अदर्श, विधान सभा।	श्री राज पालिवाड़, मानवीय मंत्री, आम, नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग, हारखंड सरकार
१	ज्या चल था उठी है कि पटाखा जिला अल्पांतर काठगुरु झुग्नांडल गुच्छाला वे ०३ कोइ ३० लाख रुपये की लाभ से औपरीनक घटिक्षण राज्याभ का मरक वर्ष २०११-१२ ते व्यवस्था नियम है :	उत्तर रवीकारामक है।
२	ज्या चल था उठी है कि बक्ट संसदाज में आवारी और शिक्षकों ले गठसम्पत्ता नहीं होते के बाये आज तक प्रदौषितण का यार्द्दा प्राप्त नहीं हिला जा रहा है :	उत्तर रवीकारामक है।
३.	वहै राम्युक छाँड़े या उत्तर रवीकारामक है तो वय सदाज उपर संलग्न हो शिक्षकों का एपरायाम करते हुए प्रेक्षण कार्य प्राप्त करना नाहनी है, तो तो वय तक नहीं हो क्यों ?	उत्तर रवीकारामक है।

103/15  
संस्कार के उप संविध,

સાધુવાની

श्री शिवोजीज एवं चतुर्दशी का मिलावा।

प्रकाशन दिनांक : २१-०३-१५

प्रतिनिधि :- अदर सचिव, दास्तांक विभाग राजा पोर उलूपी शाह संख्या-127G क्रमांक-15.03.

सरकार के उपराषिया।

श्री राधा कृष्ण किशोर, माननीय सदस्य विधान सभा द्वारा दिनांक-24.03.2015 को  
पूछ जाने वाला ताराकित प्रश्न संख्या - विभ0-12 का उत्तर सामग्री :-

क्र०	प्रश्नक्रमी	उत्तरदाता
	श्री रघु खड्क किशोर, माननीय सदस्य, विधान सभा।	श्री राज पालिवार, माननीय संत्री, अम, नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग, झारखंड सरकार
१.	यदा अठ बात थही है कि पलाटू यिला अन्तर्गत छलपुर अनुमंडल मुख्यालय में ८३ करोड़ ३० लाख रुपयों की आवास से औपेंजिक प्रशिक्षण ठंडाल था अपन दर्द २०११-१२ से बनकर तैयार है :	उत्तर स्वीकृतात्मक है।
२.	यदा अठ बात थही है कि उपर रांचीन में प्राइवेट और प्रोफेशनल नीति उद्योगपत्र बही होते हों के कारण आज तक प्रशिक्षण का कार्य प्राइवेट नहीं यिला जा राया है :	उत्तर स्वीकृतात्मक है।
३.	यदि उपर्युक्त जाहों का उत्तर स्वीकृतात्मक है तो वया उठाकर इस सेवन की शिक्षार्थी या पदाधारी करते हुए प्रशिक्षण कार्य प्राइवेट चाला लाती है, तो क्या उक्त बही तो व्हाँ ?	विविधिक के विषय के आलोक गैं व्यविभिन्न औपेंजिक प्रशिक्षण संस्थान, छलपुर या संबाली पी० ऐ० पी० गौड़िया के अन्तर्गत एवं विए "ईज़ की असिड्योरेट" के नाम्यम है फिर का प्राप्ति या वैच वर्षों में छाते के उद्योग द्वारा प्रतिष्ठित कर दी / औपेंजिक प्रतिष्ठित घण्टा, संस्था द्वारा नियमित भौव वर्षी लिख जाता है। पुछ जियादा में लें स्थान and condition दो अवधयक छातों प्राप्ति प्राप्ति द्वारा अप्रतिष्ठित लम्हारी / संक्षय के जाहज से प्रोतिष्ठण का कार्य प्राप्ति यिला जा सकेगा।

२१-३-१५  
सरकार के उप सचिव,  
अम, नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग,  
झारखंड, झेंटी।

झारखंड सरकार  
श्री, नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग।  
ज्ञापाक :- ५/प्रशिक्ष- (विभ0)-२६/२०१५- ३८६      रोकी, दिनांक :- २१-३-१५  
प्रतिलिपि :- उच्चर यापिय, झारखंड विधान सभा यो उच्चे झार रुम्भ-२७३ वित्त-१५.०३.  
२०१५ के प्रयोग ने २०० लक्षनालित प्रतियों के राय योगाये ७५ अवधक लार्यार्थ घोषित।

२१-३-१५  
सरकार के उप सचिव,  
क्षा, नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग,  
झारखंड, झेंटी।

650

विद्युतीय ज्ञारखण्ड विधान सभा का द्वितीय (बजट) सत्र में दिनांक 24.03.2015 को श्री रवीन्द्र नाथ भट्टो, सचिवित्साठ द्वारा पूछा जाने वाला तारांकित प्रश्न संख्या - चिठ्ठीप्रा०- 14 का उत्तर प्राप्ति देखने

प्रश्न

1. क्या यह बात सही है कि सरकार द्वारा राज्य में 13 (तीसह) पोलिटेक्निक कालेज खोले गये हैं।

2. क्या यह बात सही है कि इन पोलिटेक्निक कालेजों में व्याख्याताओं के पद रिक्त हैं।

3. क्या यह बात सही है कि व्याख्याताओं के पद रिक्त रहने से छात्र-छात्राओं के पदन-पाठन सही तरीके से नहीं हो पा रहा है।

4. यदि सपरोक्ष खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पोलिटेक्निक कालेजों में रिक्त पदों पर व्याख्याताओं की नियुक्ति फरमा चाहती है, हाँ तो कब तक नहीं तो क्यों?

उत्तर

1. स्वीकारात्मक

2. राज्यिकारात्मक।

3. अस्वीकारात्मक

(i) छात्र-छात्राओं के पठन-पाठन को भुचाल रूप से चलाने के लिए संस्थानों में नियमित व्याख्याताओं के अतिरिक्त अंशवालीन व्याख्याता/संविदा पर कार्यकृत शिक्षकों की सेवा भी ली जा रही है।

4. राज्यिक पोलिटेक्निक/राज्यकीय महिला पोलिटेक्निक संस्थानों में व्याख्याताओं के रिक्त पदों पर नियमित नियुक्ति हेतु झारखण्ड लोक सेवा आयोग द्वारा अधिकारियों के पदधारा नियमित नियुक्ति की प्रक्रिया सुर्ख कर ली जाएगी।

झारखण्ड सरकार  
पिज्जान एवं प्रावैधिकी विभाग  
नेपाल एकड़ा, देवगढ़, शिवालिक

ज्ञापांक-2.चिठ्ठीप्रा०/चिठ्ठी-19/15 → 699 /रॉची, दिनांक- 20.03.2015  
प्रतिलिपि:- अधिकारी, झारखण्ड विधान सभा सचिवालय को उनके ज्ञापांक 1274 दिनांक 15.03.2015 के आलोक में 200 प्रतियों के स्थान झारखण्ड, रॉची/माननीय मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव को भूलनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेरित।

20.03.2015  
कृष्ण

(रवीन्द्र कुमार शिंह)  
सरकार के अधर सचिव  
Kum

(165)

श्री प्रदीप यादव, माननीय सर्विसों द्वारा दिनांक 24.03.2015 को पूछे जाने वाले  
तारांकित प्रश्न संख्या-व०-०६ का प्रश्नोत्तर

प्रश्न	उत्तर
1. क्या यह बात सही है कि वन विभाग के रार्चर्च पद P.C.C.F. के पद पर ऐसे पदाधिकारी की नियुक्ति दिनांक—31.01.2015 को की गयी है, जिसके विरुद्ध निगरानी, बिहार द्वारा 3 केस में चार्ज सीट दर्खिल है और वह मामला 2007 से अब तक लाभित है।	स्वीकारात्मक है।
2. क्या यह बात सही है कि चार्जर्सोर्टेड चदाधिकारी को प्रोन्टि देना कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजमाषा विभाग के संकल्प-8227/रांची, दिनांक-20.11.2008 को जारी प्रक्रिया एवं मार्गदर्शी सिद्धांत के विरुद्ध है।	अस्थीकारात्मक है। अखिल भारतीय सेवा के पदाधिकारियों के प्रोन्टि के संबंध में भारत सरकार के कार्मिक एवं प्राणेक्षण विभग का दिशानिर्देश लागू होता है।
3. यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार ऐसे पदाधिकारी को पदमुक्त करना चाहेगी, हाँ तो कबतक, नहीं तो क्यों?	प्रश्न ही नहीं उत्तर।

झारखण्ड सरकार  
वन एवं वर्द्धकरण विभाग

झापंक -5/विधानसभा तारांकित प्रश्न-19/2015- 1473 र०प०, रांची, दि०-१९.०३.२०१५  
प्रतिलिपि—अवर सचिव, झारखण्ड विधानसभा, रांची को उनके ज्ञाप नं०-८३२ दिनांक-०९.०३.२०१५ के प्रसंग में अतिरिक्त २०० प्रतियों के साथ/उप सचिव, मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय (संसदीय कार्य) विभाग, झारखण्ड, रांची/माननीय मुख्यमंत्री के आव भिव, झारखण्ड सरकार/मुख्य सचिव के भिव, झारखण्ड सरकार, रांची को सूचनाएँ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

मा० १५/१५  
(सुनील कुमार)  
सरकार के उप सचिव

652

श्री साधु चरण महतो, माननीय सर्विंसो द्वारा दिनांक 24.03.2015 को पूछे  
जानेवाले ताराकित प्र०सं०-व०-१२ की उत्तर सामग्री

प्रश्न	उत्तर
1. क्या यह बात सही है कि सरायकेला-खररार्लि लिला औरार्लिं ईचागाह विशान क्षेत्र में अवस्थित कर्मनी ज्येंगन्ना स्पॉज आयरन, नरसिंह इस्पात लिमिटेड, चार्टिल इण्डियन लिमिटेड, एमार स्पॉज एं सिंडी विनायक नेटका लिमिटेड, फैब्रिया भेत्र में वायु एवं जल प्रदूषण काफी अधिक मात्रा में फैलाया जा रहा है;	उत्तर आंशिक रूप से स्थीकारात्मक है।
2. पदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्थीकारात्मक है तो क्या सरकार उक्त कामनियों द्वारा फैलाए जा रहे प्रदूषण को रोकने पर्ट नियंत्रित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का विचार रखती है, हाँ तो कबलक, नहीं तो क्यों?	वर्णित इकाईयों द्वारा प्रदूषण नियंत्रण हेतु आवश्यक उपकरण स्थापित किए गए हैं। इसकी सहायता निगरानी हेतु विभागी में Online Continuous Monitoring System से स्थापित की गयी है। इन इकाईयों से जल बोहे ब्राव उत्पन्न नहीं होता है। इन इकाईयों के विरुद्ध शिकायत प्राप्त होने पर निरीक्षण के दौरान प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों के संचालित नहीं बाए जाने पर विभि सम्मत कार्रवाई की जाती है।

#### झारखण्ड सरकार

#### वन एवं पर्यावरण विभाग

ज्ञागांक-5 / विधानसभा ताराकित प्राप्त-28/2015- 1500 वर्ष 40, रांची, दि. ० 20/3/2015  
प्रतिलिपि-अवर सचिव, झारखण्ड विधानसभा, रांची को उनके ज्ञाप सं०-1287  
दिनांक-15.03.2015 के प्रसंग में अंतिरिक्त 200 प्रतिवाँ के साथ/उप सचिव, मन्त्रिगँड़ल सचिवालय  
एवं समन्वय (संसदीय कार्य) विभाग, झारखण्ड, रांची/माननीय मुख्यमंत्री के आप सचिव, झारखण्ड  
सरकार/मुख्य सचिव के सचिव, झारखण्ड सरकार, रांची को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु  
प्रेषित।

*(रुमीला कुमार)*  
सरकार के उप सचिव

(653)

**झारखण्ड सरकार**  
**मानव संसाधन विकास विभाग**

श्री बागेंद्र महतो स.ति.स. छारा प्राप्त लाइंसिट प्रश्न संख्या मास-७५

प्रश्नांक	प्रश्न	उत्तर
	विद्या कंशी, मानव संसाधन विकास विभाग, यह बलालय की कृपा करें।	डॉ० नीरा यादव, मानवीय कंशी, मानव संसाधन विकास विभाग, झारखण्ड सरकार
1.	विद्या यह बात चाही है कि शिरिंदीड़ जिला के सरिया प्रखण्ड के २५ पंचायतों में एक भी कस्तुरबा गाँधी शालिका +2 आवासीय विद्यालय, गाँधी भैंधारी लालाओं को शिक्षा प्राप्त करने हेतु नहीं हैं, जबकि ५७ प्रखण्डों में राज्य योजना मद से बालिका आवासीय विद्यालय रचनापित थिन्ये जाने का लक्ष्य है।	सरिया प्रखण्ड में कस्तुरबा गाँधी बालिका विद्यालय की स्थापना के लिए विधिवत प्रस्ताव वर्ष 2011-12 से मानव संसाधन विकास बंशालय, भारत सरकार द्वारा लगातार भेजा जा रहा है, लैंडिंग प्रस्ताव पर स्वीकृति प्राप्त नहीं होने के कारण उपल विद्यालय की स्थापना नहीं की जा सकी है।
2.	यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो विद्या सरकार शिरिंदीड़ पर राइया प्रखण्ड में कस्तुरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय खोलने का विचार ध्यानी है, हाँ तो यन्तक, नहीं तो व्यर्ती ?	वर्ष 2015-16 की योजना में पुनः उक्त प्रस्ताव शामिल कर भारत राष्ट्रकार के उल्लंघन स्वीकृति हेतु भेजा गया है।

सरकार के संयुक्त संविधान।

झारखण्ड सरकार

मानव संसाधन विकास विभाग

लाइंस- 603 .....

टी.टी. दिनांक - 21/3/15

**प्रतिक्रिया:-** अवर शायेथ, झारखण्ड विद्यालय दाखा संविधालय, दौंची को उमके लापांक 1183, दिनांक 13.03.2015 के प्रसंग में वांछित प्रतिवेदी के साथ सूचनार्थ एवं अवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

सरकार के संयुक्त संविधान।

(654)

**श्री विरची नारायण, सठविंसठ द्वारा दिनांक-24.03.2015 को पूछा जाने वाला ताराकित  
प्रश्न संख्या-उठ-13 की उत्तर सामग्री :-**

कठ	प्रश्न	उत्तर सामग्री
1	2	3
1	क्या यह बात सही है कि राज्य की औद्योगिक नीति-2012 के अन्तर्गत निर्माण उद्योगों के सहयोग से पीएपी०पी० के द्वारा उद्योग को बढ़ावा देने की बात सही है।	स्थीकारात्मक। वस्तुस्थिति यह है कि झारखण्ड औद्योगिक नीति-2012 में औद्योगिक पार्कों की स्थापना लोक निर्माण भारीदारी (PM) mode) में विधा जाने प्रावधानित है।
2	क्या यह बात सही है कि उत्तर नीति को प्रचारित-प्रसारित नहीं किए जाने के कारण इसका सम्बन्धित लाभ नहीं मिल सका है।	अस्त्रौकारात्मक। वस्तुस्थिति यह है कि झारखण्ड औद्योगिक नीति-2012 के निम्न ने पूर्व दिनांक 22.09.2011 यो वेबसाइट पर प्राप्तन upload करते हुए औद्योगिक संघों, उद्योगियों, प्रबुद्ध नगरिकों एवं संघर्षित विभागों से भी पत्र के माध्यम से नंतर लोगों नाम की नवी प्राप्त मंत्रालय के आधार पर झारखण्ड औद्योगिक नीति-2012 के प्रकार की अंतिम रूप दिया गया तथा निपिरिषद की स्थीकरी तात्परा करते हुए अधिसूचित किया गया एवं झारखण्ड वेबसाइट में प्रकाशित करते हुए सरकार के उभी विभागों को इरिवालेट किया गया तथा इसे उद्योग विभाग के वेबसाइट www.jharkhandindustry.gov.in पर रोकारिए है।
3	क्या यह बात सही है कि उत्तर नीति लो लालू करने से राज्य के औद्योगिक विकास को तेज़ी सिल रखती है।	झारखण्ड औद्योगिक नीति-2012 लालू है।
4	गदि उपर्युक्त खण्डों का उत्तर रवैकरात्मक है तो यह सरकार उत्तर नीति का प्रधार-इसार करके राज्य में नए उद्योगों के बढ़ावा देने का प्रयास करेगा, हाँ तो कब तक, नहीं तो क्यों?	राज्य के जमाचार पत्रों में सूचना एवं जन रूपर्क विभाग के द्वारा दिनांक 09.03.2014, दिनांक 10.03.2014 एवं 08.10.2014 द्वारा विभिन्न सनाचार पत्रों में प्रकाशित रखा गया विधा दिया गया। दर्तमान में राज्य में लोक नीति भारीदारी ने इलेक्ट्रोनिक मैन्यूफैचरिंग फैलॉट, आईटी०टी० गर्क एवं झारखण्ड मेंगा फूड पक्की, गैरलसूट, रॉम्सी की स्थापना ली कार्रवाई विभाग ने दिया गया। उत्तर नीति के द्वारा राज्य के राजाधानी के आधार पर प्रचार-प्रसार हेतु अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार गेला, नई दिल्ली, प्रवासी भास्तीय विवाह, अहमदाबाद, गुजरात, ऑटो एक्सो, पुना, फूड बर्ल इण्डिया, मुम्बई एवं अन्य में भाग लिया गया तथा निवेश के अवसर की संभावनाओं को व्यक्त किया गया। पूर्जीनिवेश हेतु औद्योगिक नीति का प्रचार-प्रसार समय-समय पर किया जाता है।

झारखण्ड सरकार  
उद्योग विभाग

ज्ञापाक 539 / राँची, दिनांक 22.03.2015 /

06/अप्रिल/विभाग (तारीख)-06/2015

प्रतिलिपि :- अवर सचिव, झारखण्ड विभाग सभायालय द्वा दर्जे ज्ञाप नं.खा-११३० वेस्ट दिनांक-

13.03.2015 के आलोक में 200 (प्लॉसी) अंतरिक्ष प्रतिलिपि के साथ सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

21/3/15  
सरकार के हाथ संचिद  
नीति

(655)

श्री सत्येन्द्र नाथ तिवारी, नाम संखिया १०८० द्वारा बलते अधिवेशन में दिनांक 24.03.2015  
को पूछा जाने वाला ताराकेत प्रश्न सं० नाम-७०का उत्तर-

प्रश्नकर्ता	उत्तरदाता
श्री सत्येन्द्र नाथ तिवारी, मानवीय संस्कृत विद्यालय सभा	श्री अगर कुमार बाउली गाननीय गंडी कला संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखण्ड, राँची।

क्र०	प्रश्न	उत्तर
१	यह यह बात राही है कि गढ़वा विधान सभा क्षेत्र के प्रखण्ड-गढ़वा, मेरांगा, चौरीया, उमकाण्डा एवं डण्डा प्रखण्डों में बन्डोर और आजटडोर स्टेलियम नहीं होने वाले यज्ञों के प्रतिशो सामग्री खिलाफियों को प्रतिया नहीं निखार पा रही है।	राँची लापालक है।
२	यदि उपर्युक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या राजकार्य वर्षित उल्लङ्घनों में इन्होंने और आठटडोर स्टेलियम बनाकर वहाँ के खिलाफियों को उत्तेजा को नीतासने का विचर रखती है. इन तो कब तक नहीं तो वर्षों ?	राजीव गंडी खेल अधिवान के ऊपरांत Integrated Sports Complex के निर्माण डेमु रफुक्त , गढ़वा से प्रस्ताव यों मार्ग की भई है। लद्दान प्रतिषेध अप्राप्त है।

झारखण्ड सरकार  
कला, संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग

ज्ञापांक : १/विभ०स०-८- १७/२०१५/क २०२२ / राँची, दिनांक २०/०३/२०१५

प्राप्तिलेख: अवर सचिव, झारखण्ड विधान राज्य राजिवालय, झारखण्ड, राँची को उनके  
ज्ञाप रां० ११४४ दिनांक १३.०३.२०१५ के प्रसंग में २५० प्रतिवों के साथ  
सूत्रनाथ एवं आतरयक कार्यर्थ प्रेषित।

२०/०३/२०१५  
सरकार के अवर सचिव  
कला, संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग  
झारखण्ड राज्य।

(65)

५६०  
२१/०३/२०१५

श्री मनोज कुमार यादव, नाम संख्या ०७० से प्राप्त लक्षणोंका प्रश्न संख्या ~मास-१४ कथा मानवीय संसाधन विकास विभाग यह जलाने की कृपा करेंगे कि:-		
क्रमांक	प्रश्न	उत्तर
१	कथा यह बात उही है कि हजारीबाज जिलाक्ष्यार्थी चौपारण प्रखण्डार्थीन अग्रहंत पंचायत में अवस्थित मध्य विद्यालय परस्तातेही से १० किलोमीटर की परिधि में कोई भी उच्च विद्यालय नहीं है।	उत्तर स्वीकारात्मक है।
२	कथा यह बात सही है कि नजदीक में कोई उच्च विद्यालय नहीं होने, इण्ड १ में वर्णित क्षेत्र के विद्यालयों को उच्च विद्यालय रत्न या शिक्षा पाने में कठिनाई हो रही है।	उत्तर आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है।
३	यदि उपर्युक्त घटनाएँ के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो कथा सरकार मध्य विद्यालय, परस्तातेही को उच्च विद्यालय में उत्कलित करने का विवाद स्थानी है, लौं, तो क्या तक नहीं हो क्यों ?	गढ़ीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के तहत पांच किलोमीटर की दूरी में उच्च विद्यालय की सुविधा उपलब्ध कराने की जीति विधायित की गई है। इस जीति के तहत अभी भी ४७५ मध्य विद्यालयों को उच्च विद्यालय में उत्कलित किया जाना है। प्रश्नाधीन मध्य विद्यालय के छात्रों को भी पांच किलोमीटर की परिधि में उच्च विद्यालय की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।

सरकार के संयुक्त सचिव।

शासकांच-सरकार  
मानव संसाधन विकास विभाग

क्रापांक-७/ल. १ वि. ६)-५६/२०१५..... ५६० ..... दिनांक-२१/०३/२०१५.....  
प्रतिलिपि:- अवर सचिव, शासकांच विधानसभा सचिवालय, गंगी को अतिरिक्त प्रतियों के साथ सूचनाएँ एवं आवश्यक कार्यालय हेतु प्रेषित।

सरकार के संयुक्त सचिव।

(658)

564  
३१/०३/२०१५

श्री बादल, नां०स०वि०स० से प्राप्त तारांकित प्रश्न संख्या -मास-93

क्या मानवीय मंत्री, मानव संसाधन विकास विभाग वह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

क्रमांक	प्रश्न	उत्तर
1	क्या वह बात लही है कि सञ्चय पुस्तकालय, राँची की स्थापना वर्ष 1953 में हुई, जारी 30 हजार पुस्तकों उपलब्ध हैं।	उत्तर इवीकारात्मक है।
2	क्या वह बात सही है कि सञ्चय पुस्तकालय, राँची में सिर्फ चार कर्मचारी हैं, जिससे पुस्तकालय रांचालव में कार्रवाई होती है।	उत्तर आंशिक रूप से इवीकारात्मक है; कुल स्वीकृत 7 पदों के विषय 6 पदों पर कर्मी कार्रवाई है। एक पुस्तकगत्याध्यक्ष तथा एक प्रूषालकरण का पद टिका है।
3	यदि उपर्युक्त दोनों खण्डों के उत्तर इवीकारात्मक हैं, तो क्या लकड़ार पुस्तकालयाध्यक्ष सहित सभी दिक्षित पदों को भरने का विचार रायती है, हाँ, तो कौन तक नहीं तो क्यों ?	प्रावधानों के आलोक जैसे टिका पदों को भरने हेतु सरकार विद्यमानपत्र कार्रवाई करेगी।

सरकार के संचयिता राजिव।

झारखण्ड-सरकार  
मानव संसाधन विकास विभाग

ज्ञापांक-7/स. 1वि. (i)-55/2015..... 564 :.... दिनांक ३१/०३/२०१५  
प्रतिलिपि:- अब राजिव, झारखण्ड विधानसभा राजिवालय, राँची को अंतिरिक्षा प्रांतियों के साथ सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

सरकार के हेतु संचयिता राजिव।

(659)

**झारखण्ड सरकार**  
**मानव संसाधन विकास विभाग**

श्री अिर्भय कुमार शाहाबादी स.वि.ल. से प्राप्त तारीखित प्रश्न संख्या मास-१५

प्रश्नांक	प्रश्न	उत्तर
	क्या मंत्री, मानव संसाधन विकास विभाग, वड बताता हो थी कृष्ण कर्मा थिएः-	दॉ० कीरा चावद, मानव संसाधन विकास विभाग, झारखण्ड सरकार
1.	क्या वह बात सही है कि द्य० अक्षयबहू शिंह लडायक शिक्षक परे ५८ पर राजकीय नव्य विद्यालय शहकरी, दीना में कार्रवरत हो	स्वीकारात्मक।
2.	क्या वह बात ठीक है कि घारी अधिक के दीरान ०९.०७.२०१३ को उल्जा देलान्त हो गया था एवं उनके आधिक पुत्र दयाविदि कुमार को अभी तक अनुशङ्खा के आधार पर नियुक्त बहुत किया गया है, जबकि अनुशङ्खा के आधार पर नियुक्ति हेतु उनके अधेदा जिला शिक्षा अधीक्षक, लोहरदगा छात्र जिला रक्षापना उप-समाइली को २० मई, २०१४ को ही भेज दिया गया था	स्वीकारात्मक।
3.	यदि उपर्युक्त घारी के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो यह सरकार द्य० अक्षयबहू शिंह के आधिक को अनुशङ्खा के आधार पर नियुक्ति करने का विचार रखती है, तो तो कब तक, नहीं तो क्यों ?	विभागीय प्रश्नांक ५/३, दिनांक २०.०३.१५ द्वारा उपायुक्त, लोहरदगा थो निवेशित किया गया है कि वे द्य० अक्षयबहू शिंह के आधिक की अनुशङ्खा के आधार पर नियुक्ति हेतु लियमामुख्यार्थ कार्रवाई कर शीघ्र विर्णव लें।

सरकार के संख्यित सचिव।

**झारखण्ड सरकार**  
**मानव संसाधन विकास विभाग**  
प्राप्ति- ६८८ रौची, दिनांक २१/३/१५

प्रतिलिपि:- अवार सचिव, झारखण्ड विधान सभा सचिवालय, रौची को उनके प्राप्ति- ११४, दिनांक १३.०३.२०१५ के प्रसंग में वांछित प्रतिलिपि के साथ सूचनार्थ एवं आवश्यक खार्टयार्ड हेतु प्रेषित।

सरकार के संख्यित सचिव।

(660)

श्री कमल किशोर भगत, साधित्संघ द्वारा दिनांक—24.03.2015 को पूछा जाने वाला आरक्षित प्रश्न संख्या—व-13  
की उत्तर सामग्री।

प्रश्न		
1	2	3
1	क्या यह बात सही है कि लोहरदगा जिला में वनाधिकार अधिनियम-2000 के तहत पट्टा वितरण एवं 133 लोगों के बीच किया गया है ;	आंशिक रूप से स्थीकारात्मक। लोहरदगा जिले में वन अधिकार अधिनियम 2006 के अन्तर्गत ग्राम सभा को कुल 394 आवेदन ग्राप्त हुए जिसमें ग्राम सभा के द्वारा 98 आवेदन, अनुमण्डल स्तरीय समिति द्वारा 142 एवं जिला स्तरीय समिति द्वारा 1 आवेदन धानि कुल 241 आवेदन निर्धारित माप दण्ड पूरा नहीं किए जाने के कारण निरस्त किए गए। शेष योग्य पाए गए 153 व्यक्तियों को दिनांक-08.03.15 तक व्यक्तिगत पट्टा का वितरण किया जा चुका है।
2	क्या यह बात सही है कि खण्ड-1 में वर्णित जिला में वनाधिकार अधिनियम -2006 को प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया गया है और इसमें भंगांवित पदाधिकारियों द्वारा कार्ड रुची नहीं ली जा रही है।	अस्थीकारात्मक। सरकार द्वारा इसे प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु आवश्यक कार्रवाई को जा रही है। इस माह से पुनः सभी जिला में अभियान प्रारम्भ किया गया है, एवं इस हेतु आविवासी कल्याण आयुक्त के पत्रांक-848 दिनांक-17.03.15 के आलोक में झारखण्ड एवं राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों में सूचना का प्रकाशन दिनांक 18.3.15 से किया जा रहा है। स्वर्य रेवी तस्थाओं की सहायता से वन अधिकार अधिनियम के प्रभावशाली क्रियान्वयन हेतु जिलों में जागरूकता एवं प्रशिक्षण अभियान संचालित करने का कार्यक्रम है। इस दिशा में पूरे अप्रैल माह में व्यापक प्रचार प्रसार करते हुए सभी जिलों में ग्राम सभा के माध्यम से आवेदन ग्राप्त किये जायेंगे।
3	यदि उपरोक्त खण्डों के उत्तर स्थीकारात्मक हैं तो वथा सरकार लोहरदगा जिला में खण्ड-1 में वर्णित वनाधिकार अधिनियम-2006 को प्रभावी ढंग से लागू करने का ठेचार रखती है, यदि हाँ तो कब तक, नहीं तो क्यों ?	उपर्युक्त दोनों खण्डों में स्थिति रखने कर दी गई है।

झारखण्ड सरकार  
कल्याण विभाग

ज्ञापांक-9 / व0आ0नो-1/15 १२।

राँची, दिनांक:- २०।४।१५

प्रतिलिपि:- अवर सचिव, झारखण्ड विधान सभा, राँची को वन एवं पर्यावरण विभाग को संबोधित उनके छाप सं-1206 दिनांक 15.03.15 के आलोक में 200 अतिरिक्त प्रतियों के साथ सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।  
झार हो कि विषयगत प्रश्न वन एवं पर्यावरण विभाग, झारखण्ड के पत्रांक-१२। दिनांक-18.03.15 के द्वारा इस विभाग को हस्तांकित किया गया है।

प्रियंका भट्ट  
(प्रदीप कुमार ठाकुर)  
सरकार के अवर सचिव।

661

झारखण्ड सरकार  
मानव संसाधन विकास विभाग

श्री दशरथ गांगड़ाई, स.वि.स. से प्राप्त लारांकित प्रश्न संख्या-मास-७७

प्रश्नांक	प्रश्न	उत्तर
	क्या मंत्री, मानव संसाधन विकास विभाग, यह बलालाले की कृपा करेंगे कि:-	डॉ० बीरा यदव, मानव संसाधन विकास विभाग, झारखण्ड सरकार
1.	क्या यह बात सही है कि पश्चिमी सिंहभूम जिलाज्ञानी प्रखण्ड-खुंटपानी पंचायत लोकरदा के ग्राम कोटसोना में प्राथमिक विद्यालय है;	स्वीकारात्मक।
2.	क्या यह बात सही है कि उक्त विद्यालय में एक शिक्षक (डिक मास्टर) और एक सहायक शिक्षिका है;	स्वीकारात्मक।
3.	क्या यह बात सही है कि उक्त स्कूल की सहायक शिक्षिका (निदिला) को दस वर्ष पठले से जिला स्कूल चाईबासा में Deputation (डिप्यूटेशन) पर भेजने की वजह से पठन-पाठन का कार्य पूर्ण रूप से बाधित है;	आंशिक स्वीकारात्मक। जिला शिक्षा स्वापना समिति की ओर से अनुस्थिति यह है कि जिला स्तरीय सेवक में लिए गए विर्य के आधोरे में जिला शिक्षा अधीक्षक, चाईबासा के बार्पांक 1912, दिनांक 15.06.04 द्वारा श्रीमती कुंती भट्टी भाषुरी होरो, सहायक शिक्षिका, प्राथमिक विद्यालय कोटसोना, प्रखण्ड-खुंटपानी को जिला स्कूल, चाईबासा में प्रतिनियुक्त किया गया था, जिसके कारण प्राथमिक विद्यालय कोटसोना में पठन-पाठन का कार्य आंशिक रूप से बाधित रहा।
4.	यदि उपर्युक्त छायणों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार उक्त सहायक शिक्षिका का प्रतिनियुक्त को यद करते हुए उक्त विद्यालय में रिक्त पढ़े सभी पदों को भरने का विद्यार रखती है, हाँ तो कब तक, नहीं तो क्यों?	जिला शिक्षा स्वापना समिति की ओर से अनुस्थिति के अनुपालब में लिए गए विर्य के आधोरे जिला शिक्षा अधीक्षक, चाईबासा के बार्पांक 2024, दिनांक 14.03.15 द्वारा श्रीमती लीसे था। प्रतिनियोजन टद्दद करते हुए उन्हें मूल विद्यालय में वापस कर दिया गया है।

सरकार के सम्मुख संविव।

झारखण्ड सरकार  
मानव संसाधन विकास विभाग  
द्वारा- 594, दिनांक- ११/३/१५

प्रतिलिपि:- अपर लिख, झारखण्ड विद्यालय सभा संविवाच, राँची को उनके बार्पांक 1269, दिनांक 15.03.2015 से प्रतिलिपि विभाग के साथ सम्बन्ध रखते आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

सरकार के सम्मुख संविव।